हिन्दी दैनिक

पथ प्रवाह

RNI No.: UTTHIN/2011/39282

हर खबर पर पैनी नजर

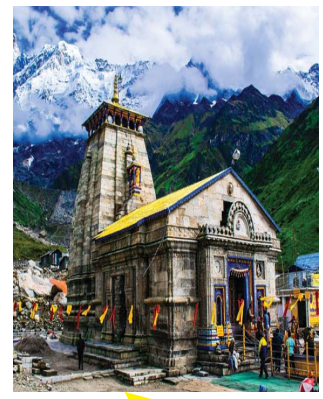

वर्ष:4 अंक:279 पृष्ठ:08 मुल्य:1 रूपये | pathpravah.com | हरिद्वार, सोमवार, 13 अक्टूबर 2025

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 118वें अखिल भारतीय किसान मेले एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी का किया उद्घाटन

कृषि को बनाया विकास का प्रमुख इंजन — किसानों के हित में कई बड़ी घोषणाएँ

पथ प्रवाह, पंतनगर।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर में आयोजित 118वें अखिल भारतीय किसान मेले एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी का भव्य उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय द्वारा विकसित नवीन दलहनी प्रजातियों का लोकार्पण एवं विश्वविद्यालय की पंतनगर प्रवाह पुस्तक का विमोचन भी किया।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि यह कृषि मेला किसानों, वैज्ञानिकों और उद्यमियों के बीच ज्ञान, अनुभव और नवाचार के आदान-प्रदान का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन न केवल कृषि उत्पादों और यंत्रों के प्रदर्शन का मंच हैं, बल्कि यह किसानों को नई तकनीकों और वैज्ञानिक विधियों से परिचित कराने का अवसर भी प्रदान करते हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि इस वर्ष के किसान मेले में देश के विभिन्न राज्यों से आए कृषि उद्योगों, स्टार्टअप्स और उद्यमियों द्वारा 400 से अधिक स्टॉल लगाए गए हैं। उन्होंने कहा कि इन मेलों के माध्यम से किसान नवीनतम कृषि तकनीकों, उन्नत बीजों, आधुनिक यंत्रों और नवीन शोधों की जानकारी प्राप्त कर अपनी खेती को और अधिक उत्पादक, टिकाऊ और लाभकारी बना सकते हैं।

किसानों के लिए राज्य सरकार की प्रमुख घोषणाएँ और योजनाएँ

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों की समृद्धि और कृषि के आधुनिकीकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि किसानों को तीन लाख

रुपये तक ब्याजमुक्त ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। फार्म मशीनरी बैंक योजना के तहत कृषि उपकरणों पर 80% तक सब्सिडी दी जा रही है। नहरों से सिंचाई पूरी तरह मुफ्त की गई है। पॉलीहाउस निर्माण के लिए 200 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जिसके अंतर्गत अब तक 350 पॉलीहाउस स्थापित किए जा चुके हैं। गेहूं खरीद पर 20 प्रति क्विंटल बोनस और गन्ना मूल्य में 20 प्रति क्विंटल की वृद्धि की गई है। राज्य में 1000 करोड़ की लागत से ÷उत्तराखंड क्लाइमेट रिस्पॉन्सिव रेन-फेड फार्मिंग प्रोजेक्ट÷ को स्वीकृति दी गई है। किसानों को 80% तक सब्सिडी के लाभ के साथ सेब, कीवी, मिलेट और ड्रैगन फ्रूट नीति लागू की गई है। किसान क्रेडिट कार्ड की सीमा को 3 लाख रुपये से बढ़ाकर 5 लाख रुपये किया गया है।

केंद्र सरकार की किसानोन्मुख योजनाओं की सराहना

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज भारत ÷विकसित राष्ट्र÷ के संकल्प को साकार करने की दिशा में तेजी से अग्रसर है। उन्होंने बताया कि देश के 11 करोड़ किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत आर्थिक सहायता दी जा रही है, जिनमें उत्तराखंड के लगभग 9 लाख किसान शामिल हैं।

उन्होंने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना, किसान मानधन योजना, मिलेट मिशन, डिजिटल कृषि मिशन और बागवानी विकास मिशन जैसी योजनाओं को किसानों के लिए वरदान बताया।

वैज्ञानिकों से अनुसंधान को किसानों तक पहुँचाने का आह्वान

मुख्यमंत्री ने कृषि वैज्ञानिकों से आग्रह किया कि वे पारंपरिक कृषि प्रणाली पर अनुसंधान कर यह समझें कि पूर्वजों ने भूमि की उर्वरता और उत्पादन की गुणवत्ता कैसे बनाए रखी। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक अपने शोध और नवीनतम तकनीक को शीघ्रता से किसानों तक पहुँचाएँ ताकि किसान अपनी आय बढ़ा सकें और राज्य की कृषि अर्थव्यवस्था को सशक्त बना सकें।

समान नागरिक संहिता और नकल विरोधी कानून पर संवाद

किसान मेले के दौरान आयोजित रजत जयंती राज्य स्थापना गोष्ठी एवं संवाद कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता लागू कर सभी नागरिकों के लिए समान अधिकार सुनिश्चित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि यह किसी धर्म या पंथ के खिलाफ नहीं बल्कि समानता और समरसता स्थापित करने का संवैधानिक उपाय है।

उन्होंने कहा कि दशकों तक वोट बैंक की राजनीति के चलते यूसीसी लागू नहीं हो पाई, लेकिन उत्तराखंड ने इसे लागू कर देश के लिए उदाहरण प्रस्तुत किया है।

कुलपति ने बताया–20 हजार किसान हुए शामिल, 507 स्टॉल लगे

विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. मनमोहन सिंह चौहान ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में विश्वविद्यालय शोध और प्रगति के नए आयाम स्थापित कर रहा है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय 2 लाख 61 हजार रुपये तक पहुंच गई है, जो 26% ग्रोथ रेट दर्शाती है।

उन्होंने जानकारी दी कि मेले में 507 स्टॉल लगाए गए हैं और अब तक 20 हजार से अधिक किसानों ने सहभागिता की है।

कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि और अधिकारी रहे उपस्थित

इस अवसर पर विधायक शिव अरोरा, त्रिलोक सिंह चीमा, सुरेश गाड़िया, पूर्व विधायक राजेश शुक्ला, जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा सहित सभी जिला स्तरीय अधिकारी और विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक एवं छात्र उपस्थित रहे।

कुलदीप का पंजा, भारत ने वेस्टइंडीज को 248 रनों पर किया ढेर

नयी दिल्ली। कुलदीप यादव (पांच विकेट) रवींद्र जडेजा (तीन विकेट) की घातक गेंदबाजी के दम पर भारत ने रविवार को दूसरे टेस्ट मैच के तीसरे दिन वेस्टइंडीज को 248 रन के स्कोर पर ढेर कर दिया है। इसी के साथ भारत ने पहली पारी के आधार पर 270 रनों की बढ़त हासिल कर ली और वेस्टइंडीज को फॉलोऑन दे दिया हैं।

वेस्टइंडीज ने कल के चार विकेट पर 140 रनों से आगे खेलना शुरु किया। आज सुबह के सत्र में वेस्टइंडीज ने कप्तान शाई होप (36) का विकेट मात्र 16 रन जोड़कर गंवा दिया। उन्हें कुलदीप यादव ने बोल्ड आउट किया। इसके बाद टेविन इमलाक (21) और जस्टिन ग्रीव्स (17) को भी कुलदीप ने अपना शिकार बनाया। जोमेल वारिकन (एक) को मोहम्मद सिराज ने बोल्ड आउट किया। इसके बाद खारी पिएर और एंडरसन फिलीप ने पारी को संभाला। वेस्टइंडीज ने लंच तक आठ विकेट पर 217 रन बना लिये थे और दोनों बल्लेबाजों के बीच लंच तक नौवें विकेट के लिए 42 रनों की साझेदारी हुई थी। लंच के बाद बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज को जसप्रीत बुमराह ने खारी पियर

(23) को आउटकर भारत को नौवीं सफलता दिलाई। 82वें ओवर की पांचवी गेंद पर कुलदीप यादव ने जेडेन सील्स (13) को पगबाधा आउटकर वेस्टइंडीज की पहली पारी को 248 के स्कोर पर अंत कर दिया।

भारत के लिए कुलदीप यादव ने पांच विकेट लिये। रवींद्र जडेजा को तीन विकेट मिले। मोहम्मद सिराज और जसप्रीत बुमराह ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

उल्लेखनीय है कि भारत ने पहली पारी में यशस्वी जयसवाल (175) और कप्तान शुभमन गिल (नाबाद 129) की शतकीय पारियों के दम पर पांच विकेट पर 518 के स्कोर पर पारी घोषित कर दी थी।

मोदी ने हर्मिनी को राष्ट्रपति चुने जाने पर बधाई दी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डॉ. पैट्रिक हर्मिनी को सेशेल्स का राष्ट्रपति चुने जाने पर बधाई दी एवं उनके कार्यकाल में सफलता की कामना की।

मोदी के डॉ. हर्मिनी को भेजे गए बधाई संदेश में भारत और सेशेल्स के बीच गहरे संबंधों पर प्रकाश डाला गया, जिसमें हिंद महासागर की साझा विरासत और दोनों देशों के लोगों की पारस्परिक आकांक्षाओं पर ज़ोर दिया गया।

प्रधानमंत्री ने %एक्स% पर लिखा, ÷हिंद महासागर का जल हमारी साझा विरासत है और हमारे लोगों की आकांक्षाओं और ज़रूरतों को पोषित करता है।÷ उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि डॉ. हर्मिनी के नेतृत्व में द्विपक्षीय संबंधों को और गति मिलेगी।

प्रधानमंत्री का बधाई संदेश सेशेल्स के साथ अपनी रणनीतिक साझेदारी को मज़बूत करने की भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। राष्ट्रीय एकता, आर्थिक पुनरुत्थान और क्षेत्रीय साझेदारी को मज़बूत करने पर केंद्रित डॉ. हर्मिनी के राष्ट्रपति पद के कार्यकाल से भारत-सेशेल्स संबंधों के और प्रगाढ़ होने की उम्मीद है। दोनों देशों ने ऐतिहासिक रूप से समुद्री सुरक्षा, विकास परियोजनाओं और क्षमता निर्माण जैसे क्षेत्रों में सहयोग किया है।

उल्लेखनीय है कि डॉ. हर्मिनी ने राष्ट्रपति पद के चुनाव में 52.7 प्रतिशत मत प्राप्त कर निर्णायक जीत हासिल की।

एक नजर

ससुराल वालों ने महिला का जिंदा जलाया, हालत गंभीर

पथ प्रवाह हरिद्वार। सिडकुल थाना क्षेत्र के हेतमपुर गांव में एक महिला को उसके ससुराल वालों ने पेट्रोल डालकर जिंदा जला दिया। पीडिता को गंभीर हालत में इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उसकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। सिडकुल पुलिस के मुताबिक जयप्रकाश निवासी वार्ड 14 खत्ता, डोईवाला ने पुलिस को सूचना दी कि उसकी बहन को उसके पति आशीष ने अपने परिजनो के साथ मिलकर पेट्रोल डालकर जिंदा जला दिया। उसकी बहन की हालत बेहद गंभीर है, उसे इलाज के लिए एम्स में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर दी। जयप्रकाश का कहना है कि उसकी बहन का विवाह 27.10.2024 को आशीष पुत्र विजय सिह ग्राम हेतमपुर के साथ हुआ था। मेरी बहन को पिछले कुछ महीनो से सुसराल पक्ष की तरफ से दहेज के लिये प्रताड़ित किया जा रहा था। जिसमें हमारे द्वारा इनके घरवालों को समझाया जाता था। दिनांक 24.09.2025 को जब मेरी बहन की डिलीवरी होने पर पुत्री प्राप्ति हुयी तो उस दिन से इनकी प्रताडित करने की गति विधि और बढ गयी थी। दिनांक 11.10.2025 को इस परिवार के सभी सदस्यो के द्वारा पैट्रोल डालकर आग लगाकर जला दिया। जिसमे डॉक्टरो द्वारा बताया गयी की उसकी बहन 80% जल चुकी है।

33 वाहनों का चालान, 10 ट्रैक्टर ट्राली सीज

पथ प्रवाह हरिद्वार। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देशों के क्रम में रविवार को इंटरसेप्टर हरिद्वार एवं इंटरसेप्टर रुड़की द्वारा नरसन-लंढौरा-हरिद्वार मार्ग पर प्रातःकालीन चेकिंग अभियान चलाया। अभियान के दौरान ट्रैक्टर-ट्रॉलियों पर विशेष रूप से फोकस किया गया। अभियान के दौरान कुल 33 चालान किए गए तथा 10 ट्रैक्टर-ट्रॉलियां सीज की गईं। बताया गया कि इस वर्ष अब तक हरिद्वार और रुड़की के प्रवर्तन दलों द्वारा 250 से अधिक ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के चालान किए जा चुके हैं, जो विभाग की सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने एवं ओवरलोडिंग तथा असुरक्षित परिवहन के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

गायत्री विद्यापीठ में राज्य स्तरीय दो दिवसीय कुश्ती प्रतियोगिता में हरिद्वार के पहलवानों का दबदबा

पथ प्रवाह, हरिद्वार। गायत्री विद्यापीठ शांतिकुंज में राज्य स्तरीय दो दिवसीय कुश्ती प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया। उद्घाटन समारोह में वैदिक परंपरा के अनुसार दीप प्रज्वलन किया गया, जिसे विद्यापीठ व्यवस्था मण्डल की प्रमुख शैफाली पण्ड्या एवं अतिथियों ने संपन्न किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि शैफाली पण्ड्या ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए खेलों के महत्व पर प्रकाश डाला और युवाओं को खेल भावना से ओतप्रोत होकर अपने कौशल का प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। प्रतियोगिता में हरिद्वार, देहरादून, ऊधमसिंहनगर और नैनीताल जनपदों से आए 250 पहलवानों ने भाग लिया। मुकाबलों में जहां एक ओर खिलाड़ियों ने कुश्ती के रोमांचक दांव-पेच दिखाए, वहीं कई बाउट्स में रेफरी को निर्णय लेने में कठिनाई का सामना करना पड़ा। कुछ प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने अपने अनुभव और तकनीक से अत्यंत कम समय में मुकाबला जीतकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। पहले दिन हरिद्वार ने पहला, उधमसिंह नगर ने दूसरा और देहरादून ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। खिलाड़ियों का राज्य सभा सांसद डॉ कल्पना सैनी और गायत्री विद्यापीठ के प्रधानाचार्य सीताराम सिन्हा ने उत्साह बढ़ाया। इस प्रतियोगिता के संयोजक मुख्य शिक्षा अधिकारी आशुतोष भण्डारी, खण्ड शिक्षा अधिकारी बृजपाल सिंह राठौर रहे। प्रतियोगिता के अंत में विजयी खिलाड़ियों को मुख्य अतिथि द्वारा पुरस्कार प्रदान किये गए।

दुकान की आड़ में बेच रहा था अवैध शराब, पुलिस ने किया गिरफ्तार

पिथौरागढ़, संवाददाता। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाली पिथौरागढ़ पुलिस ने बढ़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे अभिान के तहत एक नशा तस्कर को गिरफ्तार किया है। प्रभारी निरीक्षक कोतवाली पिथौरागढ़ ललित मोहन जोशी के निर्देशन में उप निरीक्षक ललित डंगवाल, कांस्टेबल नीरज भोज एवं कांस्टेबल होशियार सिंह की टीम ने सूचना के आधार पर रोडवेज वर्कशॉप तिराहे के पास स्थित दुकानों की चेकिंग की।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से उत्तराखंड बेरोजगार संघ की भेंट, परीक्षा रद्द पर युवाओं ने जताया आभार

पथ प्रवाह, संवाददाता

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से आज मुख्यमंत्री आवास में उत्तराखंड बेरोजगार संघ और तकनीकी डिप्लोमा प्राप्त छात्रों के प्रतिनिधिमंडल ने भेंट की। इस अवसर पर प्रतिनिधियों ने राज्य सरकार का आभार व्यक्त किया कि युवाओं की भावनाओं का सम्मान करते हुए परीक्षा प्रक्रिया में अनियमितताओं की शिकायतों पर गंभीरता से संज्ञान लिया गया और संबंधित परीक्षा को रद्द करने का निर्णय लिया गया।

युवाओं की भावनाओं का सम्मान, पारदर्शी निर्णय पर संघ ने जताया धन्यवाद

उत्तराखंड बेरोजगार संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि सरकार द्वारा परीक्षा की पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए उठाए गए कदम युवाओं में विश्वास और आशा का संचार करते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने जिस तत्परता और संवेदनशीलता के साथ इस मुद्दे पर कार्रवाई की, वह युवाओं के हित में एक। ऐतिहासिक निर्णय है

भर्ती परीक्षाओं में भ्रष्टाचार व नकल पर शून्य सहनशीलता- सीएम धामी

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रतिनिधियों को आश्वस्त किया कि राज्य सरकार योग्यता और पारदर्शिता पर आधारित भर्ती प्रक्रिया के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में किसी भी भर्ती परीक्षा में भ्रष्टाचार, नकल या अनुचित साधनों के लिए शून्य सहनशीलता (Zero Tolerance) की नीति लागू रहेगी।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि युवाओं की मेहनत और प्रतिभा के साथ किसी भी प्रकार का अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। नकल विरोधी कानून लागू होने से परीक्षा प्रक्रिया में पारदर्शिता और विश्वास सुनिश्चित हुआ है, और जो कोई भी परीक्षा प्रक्रिया में हस्तक्षेप करने का प्रयास करेगा, उसके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

हर पात्र अभ्यर्थी को मिलेगा निष्पक्ष अवसर

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार लगातार इस दिशा में कार्य कर रही है कि हर पात्र युवक-युवती को निष्पक्ष अवसर मिले और राज्य के सभी प्रतियोगी परीक्षाओं में पूर्ण पारदर्शिता का माहौल स्थापित हो। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड के युवाओं की मेहनत, लगन और ईमानदारी ही राज्य की सबसे बड़ी पूंजी है, और सरकार उनके हितों की रक्षा के लिए हमेशा तत्पर है।

संघ ने भविष्य की पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया पर दिया सुझाव

संघ के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया कि भविष्य की परीक्षाओं में नकल-रोधी प्रावधानों को और अधिक सुदृढ़ किया जाए तथा भर्ती प्रक्रिया को समयबद्ध रूप से संचालित किया जाए।

मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधियों के सुझावों की सराहना की और कहा कि पारदर्शी भर्ती ही सुशासन की पहचान है, और राज्य सरकार इसी दिशा में लगातार कार्य कर रही है। इस अवसर पर बेरोजगार संघ के अध्यक्ष श्री राम कंडवाल सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

महामृत्युंजय मठ में चेले ने गुरु को लगाया लाखों का चूना, पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

पथ प्रवाह,हरिद्वार। जगजीतपुर स्थित महामृत्युंजय मठ में आश्चर्यजनक चोरी का मामला सामने आया है। आश्रम के परमाध्यक्ष, जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर स्वामी यमुना पुरी ने अपने कोठरी पर चोरी करने का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी है। आरोप है कि 28 लाख रुपये नकद, रुद्राक्ष जड़ित सोने की चेन और चांदी की कटोरियां चोरी कर ली गई हैं। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सीसीटीवी फुटेज प्राप्त हुआ है, जिसमें आरोपी को बैरागी कैंप की ओर जाते देखा गया है। स्वामी यमुना पुरी महाराज ने बताया कि आरोपी वैराग्य पुरी मूल रूप से यूपी के कस्बा बैसूम, हस्तिनापुर निवासी विकास सिंघल हैं। उन्हें 2009 में सन्यास दीक्षा दी गई और वैराग्य पुरी नाम प्रदान किया गया। बाद में उन्हें आश्रम का उत्तराधिकारी भी घोषित किया गया। आश्रम के लेन-देन और अन्य जिम्मेदारियां वैराग्य पुरी संभालते थे। उनके नाम से आश्रम के बगल में एक नया आश्रम भी बनाया गया था। स्वामी यमुना पुरी महाराज ने बताया कि वे 10 अक्तूबर को रात पंजाब से आश्रम लौटे। अगले दिन सुबह उनके फोन पर वैराग्य पुरी का मैसेज आया कि वह जा रहा है। जब महाराज ने वैराग्य पुरी के कमरे में जाकर देखा, तो आश्रम के निर्माण कार्य के लिए रखे गए नकद रुपये, सोने की चेन और चांदी की कटोरियां गायब मिलीं। इसके बाद उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी।

स्वामी यमुना पुरी ने बताया कि वैराग्य पुरी ने आश्रम के नाम पर कई दुकानदारों और आम लोगों से भी लाखों रुपये ले लिए हैं। स्वामी प्रबोधानंद गिरी और स्वामी रामेश्वरानंद सरस्वती ने मांग की कि पुलिस प्रशासन आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर सख्त दंड दिलाए, ताकि भविष्य में कोई व्यक्ति विश्वासघात करने का प्रयास न कर सके। इस दौरान आश्रम के कई वरिष्ठ संत जैसे स्वामी अनंतानंद, स्वामी ऋषिराज, स्वामी विवेकानंद गिरी, स्वामी नरेशानंद भी मौजूद रहे।

एनडीए में हुआ सीट बंटवारा, भाजपा 101, जदयू 101, चिराग को 29, मांझी और कुशवाहा को 6-6 सीटें

पटना। बिहार चुनाव को लेकर एनडीए की घटक दलों में सीट का बंटवारा हो गया है। गठबंधन में भाजपा और जद (यू) दोनों 101-101 सीटों पर चुनाव लड़ेंगी। जबकि चिराग पासवान की पार्टी एलजेपी (आर) को 29 सीटें दी गई हैं। वहीं मांझी और कुशवाहा की पार्टी 6-6 सीटों पर चुनाव लड़ेंगी। हालांकि इस बार एनडीए में सीट शेयरिंग फॉर्मूला की घोषणा प्रेस कॉन्फ्रेंस करके नहीं दी गयी बल्कि एनडीए के नेताओं ने रविवार की शाम सोशल मीडिया के एक्स अकाउंट पर सीट शेयरिंग की जानकारी दी। बीजेपी के महाराष्ट्र प्रभारी विनोद तावड़े ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा कि संगठित व समर्पित एनडीए...आगामी बिहार विधानसभा चुनाव के लिए एनडीए परिवार के सभी सदस्यों ने सौहार्दपूर्ण वातावरण में आपसी सहमति से सीटों का वितरण पूर्ण किया। बिहार के उपमुख्यमंत्री और भाजपा नेता सम्राट चौधरी ने कहा, हम एनडीए साथियों ने सौहार्दपूर्ण वातावरण में सीटों का वितरण पूरा किया। एनडीए के सभी दलों के कार्यकर्ता और नेता इस का हर्ष से स्वागत करते हैं। #बिहारहैतैयार।

वहीं सीट बंटवारे के बाद, जेडीयू नेता संजय झा ने पोस्ट किया, हम एनडीए के सभी साथियों ने पूर्ण वातावरण में नामांकन का वितरण किया है। छात्र-छात्राओं के सभी आश्रमों के नेता और कार्यकर्ता मित्र इसका हर्ष के साथ स्वागत करते हैं और मुख्यमंत्री का स्वागत करते हैं। #नीतीश कुमार जी को प्रचंड बहुमत के साथ फिर से मुख्यमंत्री बनाने के संकल्प और एकजुट हैं। बिहार है तैयार, फिर से तैयार सरकार।

इस बीच भाजपा द्वारा सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करके इस बात की पुष्टि की गई। वहीं कांग्रेस गठबंधन पर तंज कसते हुए पोस्ट किया गया-

एनडीए एकजुट-महाठगंधन में जारी है फूट

एनडीए गठबंधन के सभी दलों में सीटों का वितरण पूरा हुआ। भाजपा-101, जदयू-101, एलजेपी (आर)- 29, आरएलएम-6, हम- 6 सीटों पर साझा गठबंधन में चुनाव लड़ेंगे। इधर एनडीए के सभी दल चुनाव के लिए एकजुटता के साथ मैदान में हैं। वहीं दूसरी तरफ़ महाठगबंधन के दल एक दूसरे पर लट्ठ भांज रहे हैं। विपक्ष का गठबंधन अब लठबंधन का रूप ले चुका है। अब तो लोग ये भी पूछने लगे हैं कि नॉमिनेशन का तारीख़ आने तक इनके बीच बातचीत भी शुरू हो पाएगी कि नहीं ?

आपको बता दें कि बिहार में विधानसभा चुनाव 6 और 11 नवंबर को होंगे, जबकि मतगणना 14 नवंबर को होगी।

राहुल गांधी की विदेश यात्रा पर भाजपा का तंज, कहा- चुनाव नजदीक हैं, अब लौट आइए

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की दक्षिण अमेरिका यात्रा पर भाजपा नेताओं ने सवाल उठाते हुए तंज कसा है। भाजपा आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने कहा, 15 दिन से अधिक हो गए हैं, लेकिन यात्रा के असली मकसद से ध्यान भटकाने के लिए जारी कुछ वीडियो के अलावा कोई स्पष्ट जानकारी नहीं है। भाजपा आईटी सेल प्रमुख मालवीय ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स में पोस्ट करते हुए आगे लिखा, राहुल गांधी आखिर कहां हैं और दक्षिण अमेरिका में क्या कर रहे हैं? इतनी गोपनीयता क्यों? उन्होंने कहा, अगर राहुल गांधी कोलंबिया में कॉफी बनाना सीख चुके हैं और छुट्टियां मना रहे हैं, तो उन्हें अब भारत लौट आना चाहिए। बिहार चुनाव की घोषणा हो चुकी है, मतदान में एक महीने से भी कम समय बचा है। महागठबंधन फिर हारने वाला है और कांग्रेस हमेशा की तरह अपने लापता नेता को छोड़कर सबको दोष देगी।

भाजपा सांसद निशिकांत ने की जांच की मांग

इसी बीच, भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने राहुल गांधी की विदेश यात्रा की जांच की मांग कर दी है।

हरिद्वार में 'रन फॉर डीएवी' मैराथन का सफल आयोजन, 700 से अधिक विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा

पथ प्रवाह, हरिद्वार

डीएवी स्पोर्ट्स तथा डीएवी प्रबन्धकर्तृ समिति, नई दिल्ली के तत्वाधान में गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी 'रन फॉर डीएवी' मैराथन का सफल आयोजन किया गया। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की शिक्षाओं – स्वास्थ्य, एकता, सेवा, फिटनेस, जिम्मेदारी और राष्ट्रीय गौरव के संदेश को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से यह आयोजन 12 अक्तूबर को डीएवी जगजीतपुर, हरिद्वार और बीएम डीएवी, भूपतवाला, हरिद्वार के विद्यार्थियों के लिए संयुक्त रूप से किया गया।

यह मैराथन बीएचईएल स्पोर्ट्स स्टेडियम से प्रारंभ होकर गांधी स्मारक, निकट भगत सिंह चौक, हरिद्वार तक आयोजित की गई। दोनों विद्यालयों के लगभग 700 विद्यार्थियों ने इस दौड़ में उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। सभी प्रतिभागियों का पंजीकरण डीएवी स्पोर्ट्स की वेबसाइट पर किया गया था।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रानीपुर विधायक आदेश चौहान ने डीएवी जगजीतपुर के प्रधानाचार्य मनोज कुमार कपिल एवं बीएम डीएवी की प्रधानाचार्या

श्रीमती लीना भाटिया के साथ हरी झंडी दिखाकर मैराथन का शुभारंभ किया। उन्होंने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों में अनुशासन, आत्मविश्वास और राष्ट्रीय चेतना का संचार करते हैं।

विद्यालयों की ओर से आयोजन के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ की गई थीं। मार्ग में पानी एवं प्राथमिक उपचार की व्यवस्था, शिक्षकों की टीम और विद्यालय बसें विद्यार्थियों के साथ रहीं, जिससे किसी भी आवश्यकता की स्थिति में तुरंत सहायता दी जा सके।

मैराथन के गंतव्य स्थल पर पहुँचने पर विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए। दोनों विद्यालयों के प्रधानाचार्यों ने विजेता बच्चों को ट्रॉफी एवं मेडल देकर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। सभी प्रतिभागियों को डीएवी कॉलेज मैनेजिंग कमेटी, नई दिल्ली की ओर से प्रमाण पत्र जारी किए जाएंगे।

श्रीमती लीना भाटिया ने अपने संबोधन में कहा कि ÷डीएवी संस्थाएँ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए सदैव प्रतिबद्ध हैं।÷ उन्होंने कार्यक्रम की सफलता में योगदान देने वाले सभी शिक्षकों और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

विजेताओं की सूची

डीएवी जगजीतपुर, हरिद्वार
प्रथम स्थानः तनिष्क अरोड़ा, अवनि सैनी
द्वितीय स्थानः वैभव, इशिता गिरी
तृतीय स्थानः देवांश वर्मा, आस्था मिश्रा
बीएम डीएवी, भूपतवाला, हरिद्वार
प्रथम स्थानः अर्णव खत्री, लक्षिता रघुवंशी
द्वितीय स्थानः रुद्रांश भसीन, तेजस्विनी पंवार
तृतीय स्थानः अक्षत सिंह, एंजल

एक नजर

झबरेड़ा पुलिस ने चौपाल लगाकर किया ग्रामीणों को जागरूक

पथ प्रवाह, हरिद्वार। जन-जागरूकता अभियानों के क्रम में थाना झबरेड़ा पुलिस ने रविवार को ग्राम खाताखेड़ी में चौपाल आयोजित की। थानाध्यक्ष झबरेड़ा अजय शाह ने उपस्थित ग्रामीणों को वर्तमान में चल रहे ड्रग्स फ्री देवभूमि मिशन 2025, ऑपरेशन लगाम तथा ऑपरेशन कालनेमी के उद्देश्यों से अवगत कराया। चौपाल के माध्यम से युवाओं को नशे से दूर रहने और इसके दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया। उन्होंने बताया कि नशे की लत व्यक्ति को अपराध की ओर धकेल देती है, जिससे चोरी, लूटपाट जैसी घटनाएँ जन्म लेती हैं। अभिभावकों से अपील की गई कि वे समय रहते अपने बच्चों को नशे की चपेट में आने से रोकें और संवाद बनाए रखें। चौपाल में ग्रामीणों को गौकशी की घटनाओं पर रोकथाम, सड़क सुरक्षा नियमों के पालन एवं महिला सुरक्षा के विषय में भी जानकारी दी गई। साथ ही, तेजी से बढ़ते साइबर अपराधों जैसे ऑनलाइन ठगी, एटीएम फ्रॉड, फिशिंग कॉल, फर्जी वेबसाइट व ओटीपी स्कैम के बारे में विस्तार से बताया गया। सभी को ऐसे मामलों में सतर्क रहने और किसी भी प्रकार की साइबर ठगी होने पर तुरंत डायल 1930 करने या नज़दीकी थाने में संपर्क करने की सलाह दी गई। चौपाल के दौरान पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों से संवाद करते हुए कहा कि नशा मुक्त समाज, सुरक्षित सड़कें और जागरूक नागरिक ही एक मजबूत व शांतिपूर्ण हरिद्वार की पहचान हैं। ग्रामीणों ने भी पुलिस की इस पहल की सराहना की और ऐसे जागरूकता कार्यक्रमों को नियमित रूप से आयोजित किए जाने की मांग की।

मेडिकल स्टोर की आड़ में नशीले दवा बेच रहे दो गिरफ्तार

पथ प्रवाह हरिद्वार। मिशन ड्रग्स फ्री देवभूमि 2025 को सफल बनाने के लिए जनपद में चलाए जा रहे अभियान के तहत दो नशा तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। कोतवाली लक्सर पुलिस ने क्षेत्र में सघन चेकिंग, सुरागरसी एवं पतारसी अभियान संचालित करते हुए यह कार्रवाई की। पुलिस के मुताबिक लक्सर पुलिस टीम द्वारा चेकिंग के दौरान एक मेडिकल स्टोर पर नशीने कैप्सूल बेचने की सूचना मिली। मौके पर जाकर चेकिंग करने पर मेडिकल स्टोर संचालक नशीली दवा बेचने में संलिप्त मिला। पुलिस ने संचालक समेत दो व्यक्तियों को अवैध नशीले कैप्सूलों के साथ हिरासत में लिया। इनमें एक का नाम समीर अली और दूसरे का आरिफ बताया गया। पूछताछ में खुलासा हुआ कि आरोपी आरिफ मेडिकल स्टोर की आड़ में नशीले दवाओं का कारोबार कर युवाओं को यह कैप्सूल सप्लाई करता था। दोनों व्यक्तियों के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/22 के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्रवाई अमल में लाई जा रही है।

विवाहिता को जिंदा जलाने की घटना का पर महिला आयोग ने दिखायी सख्ती

पथ प्रवाह, हरिद्वार। जनपद के रोशनाबाद क्षेत्र के गाँव हेत्तमपुर में ससुराल पक्ष द्वारा विवाहिता को जिंदा जलाने के मामले का राज्य महिला आयोग ने संज्ञान लिया है। महिला आयोग ने इस संबंध में एसएसपी हरिद्वार को जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिये है।

प्राप्त शिकायत के अनुसार पीड़िता की बहन द्वारा जानकारी दी गयी की शादी के शुरुआती महीने सामान्य रहे, परंतु इसके बाद भारती को दहेज के लिए प्रताड़ित किया जाने लगा। पीड़िता की बहन ने बताया की परिवार की ओर से कई बार समझौते के प्रयास किए गए, लेकिन अत्याचार रुकने का नाम नहीं लिया। पिता ने शिकायती पत्र में बताया की 24 सितम्बर 2025 को भारती ने बेटी को जन्म दिया जिसके बाद अत्याचार और बढ़ गए – उसे गाली-गलौज, मारपीट और मारने तक कि धमकी दी गयी। बीती 11 अक्टूबर 2025

को पति आशीष कुमार उसके पिता विजय पाल व सास, नन्द और जेठ ने कथित रूप से पेट्रोल डालकर भारती को जिंदा जला दिया, जिससे वह 80% तक झुलस गई और गंभीर अवस्था में अस्पताल में भर्ती है। इस निंदापूर्ण प्रकरण की शिकायत मिलते ही उत्तराखण्ड राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कण्डवाल ने जानकारी के आधार पर कड़ा संज्ञान लेते हुए हरिद्वार के एसएसपी प्रमेन्द्र डोभाल को तुरंत और सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। कुसुम कण्डवाल ने कहा कि यह अत्यंत निंदनीय और मानवता को झकझोर देने वाली घटना है। किसी भी कीमत पर आरोपी बख्शे नहीं जाएंगे। हर दोषी को कानून के तहत कठोरतम सजा दिलाई जाएगी। उन्होंने पीड़ित परिवार के प्रति गहरा दुख और संवेदना व्यक्त की है, साथ ही हरिद्वार पुलिस को निर्देशित किया है कि ÷किसी भी स्तर पर ढिलाई नहीं बरती जाए, यह मामला महिला सुरक्षा और न्याय की कसौटी बने। एसओ सिडकुल ने जानकारी में बताया की मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। फिलहाल पीड़िता का उपचार एम्स ऋषिकेश में चल रहा है। मामले की उच्चस्तरीय जांच की जा रही है।

भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष विपुल मेन्दोली ने श्रीमहंत रविंद्र पुरी से लिया आशीर्वाद, युवाओं के उज्ज्वल भविष्य पर चर्चा

पथ प्रवाह, हरिद्वार

भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) उत्तराखंड के प्रदेश अध्यक्ष विपुल मेन्दोली ने रविवार को पंचायती अखाड़ा श्री निरंजनी पहुंचकर अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद एवं श्री मनसा देवी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्र पुरी महाराज से आशीर्वाद प्राप्त किया और शिष्टाचार भेंट की।

बैठक के दौरान श्रीमहंत रविंद्र पुरी महाराज ने युवाओं के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि भारत के उज्ज्वल भविष्य के लिए युवाओं की सकारात्मक सोच, अनुशासन और सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति आस्था आवश्यक है। उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान समय में युवाओं को केवल तकनीकी प्रगति ही नहीं, बल्कि आध्यात्मिक चेतना से भी जुड़ने की आवश्यकता है, जिससे वे समाज में आदर्श स्थापित कर सकें।

भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष विपुल मेन्दोली ने इस अवसर पर कहा कि युवा मोर्चा राज्य में युवाओं को संगठित कर राष्ट्रहित में कार्य करने हेतु प्रेरित कर रहा है। इसके साथ ही संगठन

लगातार सामाजिक, शैक्षिक और सेवा के क्षेत्रों में युवाओं की सक्रिय भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए कार्य कर रहा है।

उन्होंने श्रीमहंत रविंद्र पुरी महाराज के मार्गदर्शन और अमूल्य आशीर्वाद को युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बताते हुए कहा कि ऐसे आध्यात्मिक नेतृत्व से युवा पीढ़ी को सही दिशा मिलती है और उनके व्यक्तित्व का समग्र विकास संभव होता है।

इस अवसर पर कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी मौजूद रहे, जिन्होंने बैठक को सफल बनाने में योगदान दिया।

संपादकीय

हिमालय की साँसें बचाइए

उत्तरकाशी जिले के दूरस्थ मोरी क्षेत्र से हाल ही में हुई बड़ी पुलिस कार्रवाई ने फिर एक बार हिमालयी वन संपदा के अवैध दोहन की भयावह हकीकत को उजागर कर दिया है। दो तस्करों के कब्जे से 167 किलो प्रतिबंधित जड़ी-बूटी – मेडा और पंजा – की बरामदगी केवल एक अपराध की खबर नहीं, बल्कि प्रकृति के अस्तित्व के खिलाफ़ चल रहे मुनाफाखोर अभियान का सजीव उदाहरण है।

हिमालय सदियों से औषधियों का खज़ाना रहा है। इसकी गोद में ऐसी अनगिनत वनस्पतियाँ पाई जाती हैं जो मानवता के लिए वरदान हैं। मेडा और पंजा जैसी जड़ी-बूटियाँ आयुर्वेदिक चिकित्सा में शरीर को बल, रोग प्रतिरोधक क्षमता और मानसिक शांति प्रदान करने के लिए जानी जाती हैं। लेकिन विडंबना यह है कि जिन पौधों को ऋषि-मुनियों ने जीवन का आधार कहा, आज वही लालच और तस्करी की जद में हैं।

इन जड़ी-बूटियों की मांग न केवल भारत में बल्कि अंतरराष्ट्रीय बाज़ारों में भी है। औषधि उद्योग में इनके ऊँचे दाम तस्करों के लिए यह व्यापार ÷सोने की खान÷ बना देते हैं। परिणामस्वरूप, इन दुर्लभ वनस्पतियों की जड़ से जड़ तक दोहन हो रहा है – बिना यह सोचे कि एक पौधा तैयार होने में वर्षों लग जाते हैं।

मोरी पुलिस की यह कार्रवाई इसलिए सराहनीय है क्योंकि इसने न केवल तस्करी की एक कड़ी को तोड़ा, बल्कि यह संदेश भी दिया कि कानून अब पर्यावरण अपराधों पर उतना ही सख्त रुख अपना रहा है जितना पारंपरिक अपराधों पर। यह पहाड़ों की जड़ों को खोखला करने वाले माफियाओं के लिए स्पष्ट चेतावनी है।

लेकिन यह भी सच है कि केवल पुलिस कार्रवाई पर्याप्त नहीं होगी। समस्या की जड़ आर्थिक और सामाजिक है। पहाड़ी गाँवों में आजीविका के सीमित साधनों के कारण स्थानीय लोग कभी-कभी मजबूरी में इन जड़ी-बूटियों का संग्रह करते हैं। अतः सरकार को चाहिए कि वह वैकल्पिक रोजगार, नियंत्रित औषधीय खेती और सामुदायिक वन प्रबंधन की दिशा में ठोस कदम उठाए।

इसके साथ ही, स्कूलों से लेकर ग्रामसभाओं तक ÷वन संपदा संरक्षण÷ को लोकचेतना का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। मीडिया और शिक्षण संस्थानों की भूमिका यहाँ अत्यंत महत्वपूर्ण है। जब तक समाज स्वयं नहीं समझेगा कि प्रकृति का विनाश मानव के आत्मविनाश के समान है, तब तक ऐसी घटनाएँ होती रहेंगी।

हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि हिमालय केवल एक पर्वत श्रृंखला नहीं, बल्कि देश की जल, जीवन और जलवायु की धुरी है। मेडा और पंजा जैसी जड़ी-बूटियाँ उसकी साँसें हैं – और उनकी तस्करी, उसकी साँसें रोकने के समान है। अब समय है कि पुलिस की कार्रवाइयों से आगे बढ़कर, पूरा समाज ÷संरक्षण का प्रहरी÷ बने। प्रकृति का हर पौधा, हर जड़ी-बूटी, और हर वन्य संपदा – आने वाली पीढ़ियों की अमानत है, इसे बचाना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है।

अहोई माता: संतान के जीवन में मंगल भरने वाली शक्ति

योगेश कुमार गोयल

करवा चौथ के चार दिन पश्चात् और दीवाली से ठीक एक सप्ताह पहले भारत में हिन्दू समुदाय में एक प्रमुख त्यौहार 'अहोई अष्टमी' मनाया जाता है, जो प्रायः वही स्त्रियां करती हैं, जिनके संतान होती है किन्तु अब यह व्रत निसंतान महिलाएं भी संतान की कामना के लिए करती हैं। 'अहोई अष्टमी' व्रत प्रतिवर्ष कार्तिक कृष्ण अष्टमी को किया जाता है और इस वर्ष यह पर्व 13 अक्तूबर को मनाया जा रहा है। स्त्रियां दिनभर व्रत रखती हैं। सायंकाल से दीवार पर आठ कोष्ठक की पुतली लिखी जाती है। उसी के पास सेई और सेई के बच्चों के चित्र भी बनाए जाते हैं। पृथ्वी पर चौक पूरकर कलश स्थापित किया जाता है। कलश पूजन के बाद दीवार पर लिखी अष्टमी का पूजन किया जाता है। फिर दूध-भात का भोग लगाकर कथा कही जाती है। आधुनिक युग में अब बहुत सी महिलाएं दीवारों पर चित्र बनाने के लिए बाजार से अहोई अष्टमी के रेडीमेड चित्र खरीदकर उन्हें पूजास्थल पर स्थापित कर उनका पूजन करती हैं। कार्तिक कृष्ण अष्टमी को महिलाएं अपनी संतान की दीर्घ आयु तथा उनके जीवन में समस्त संकटों या विघ्न-बाधाओं से उनकी रक्षा के लिए यह व्रत रखती हैं। कुछ स्थानों पर इस दिन धोबी मारन लीला का भी मंचन होता है, जिसमें श्रीकृष्ण द्वारा कंस द्वारा भेजे गए धोबी का वध करते प्रदर्शन किया जाता है। अहोई माता के रूप में अपनी-अपनी पारिवारिक परम्परानुसार लोग माता पार्वती की पूजा करते हैं।

अहोई अष्टमी व्रत के संबंध में कुछ कथाएं प्रचलित हैं। ऐसी ही एक कथानुसार प्राचीन काल में किसी नगर में एक साहूकार रहता था। उसके सात लड़के थे। दीपावली से पहले साहूकार की स्त्री घर की लीपा-पोती हेतु मिट्टी लेने खदान में गई और कुदाल से मिट्टी खोदने लगी। दैव योग से उसी जगह एक सेह की मांद थी। सहसा उस स्त्री के हाथ से कुदाल सेह के बच्चे को लग गई, जिससे सेह का बच्चा तत्काल मर गया। अपने हाथ से हुई हत्या को लेकर साहूकार की पत्नी को बहुत दुख हुआ परन्तु अब क्या हो सकता था? वह पश्चाताप करती हुई शोकाकुल अपने घर लौट आई। कुछ दिनों बाद उसके बेटे का निधन हो गया। फिर अकस्मात दूसरा, तीसरा और इस प्रकार वर्ष भर में उसके सभी बेटे मर गए। महिला अत्यंत व्यथित रहने लगी। एक दिन उसने अपने आस-पड़ोस की महिलाओं को विलाप करते हुए बताया कि उसने जानबूझकर कभी कोई पाप नहीं किया। हां, एक बार खदान में मिट्टी खोदते हुए अनजाने में उससे एक सेह के बच्चे की हत्या अवश्य हुई है और तत्पश्चात मेरे सातों बेटों की मृत्यु हो गई। यह सुनकर पास-पड़ोस की वृद्ध औरतों ने साहूकार की पत्नी को दिलासा देते हुए कहा कि यह बात बताकर तुमने जो पश्चाताप किया है, उससे तुम्हारा आधा पाप नष्ट हो गया है। तुम उसी अष्टमी को भगवती माता की शरण लेकर सेह और सेह के बच्चों का चित्र बनाकर उनकी आराधना करो और क्षमा-याचना करो। ईश्वर की कृपा से तुम्हारा पाप धुल जाएगा। साहूकार की पत्नी ने वृद्ध महिलाओं की बात मानकर कार्तिक मास की कृष्णपक्ष की अष्टमी को उपवास व पूजा-याचना की। वह हर वर्ष नियमित रूप से ऐसा करने लगी। बाद में उसे सात पुत्र रत्नों की प्राप्ति हुई। तभी से अहोई व्रत की परम्परा प्रचलित हो गई।

अहोई व्रत के संबंध में एक और कथा प्रचलित है। बहुत समय पहले झांसी के निकट एक नगर में चन्द्रभान नामक साहूकार रहता था। उसकी पत्नी चन्द्रिका बहुत सुंदर, सर्वगुण सम्पन्न, सती साध्वी, शीलवन्त, चरित्रवान तथा बुद्धिमान थी। उसके कई पुत्र-पुत्रियां थे परन्तु वे सभी बाल अवस्था में ही परलोक सिधार चुके थे। दोनो पति-पत्नी संतान न रह जाने से बहुत व्यथित रहते थे। वे दोनों प्रतिदिन मन ही मन सोचते कि हमारे मर जाने के बाद इस अपार धन-सम्पदा को कौन संभालेगा? एक बार उन दोनों ने निश्चय किया कि वनवास लेकर शेष जीवन प्रभु-भक्ति में व्यतीत करें।

यही विचार कर दोनों अपना घर-बार त्यागकर वनों की ओर चल दिए। रास्ते में जब थक जाते तो रूककर थोड़ा विश्राम कर लेते और फिर चल पड़ते। इस प्रकार धीरे-धीरे वे बद्रिका आश्रम के निकट शीतल कुण्ड जा पहुंचे। वहां पहुंचकर दोनों ने निराहार रहकर प्राण त्यागने का निश्चय कर लिया।

उत्तराखंड समाज, शिक्षा और पर्यावरण का जीवंत संगम

हेम चन्द्र खोलिया

जब समाज में स्वयंसेवी संस्थाएँ केवल दस्तावेज़ों और औपचारिक रिपोर्टों तक सीमित हो गई हैं, ऐसे समय में अभिलाषा समिति, पिथौरागढ़ उत्तराखंड की पहाड़ियों से एक सशक्त संदेश देती है – सामाजिक परिवर्तन धन से नहीं, समर्पण से होता है। इस संस्था ने पिछले एक दशक में जो कार्य किए हैं, वे केवल पहाड़ की मिट्टी में नहीं, बल्कि लोगों के हृदय में अपनी गहरी छाप छोड़ चुके हैं।

पिथौरागढ़ और चम्पावत के सीमांत गांवों में यह संस्था शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, नशा मुक्ति, पास्को एक्ट जागरूकता, महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण आजीविका जैसे विविध विषयों पर जन-जागरूकता कार्यक्रम चला रही है। यह संस्था किसी अनुदान या प्रायोजन पर नहीं, बल्कि शिक्षकों, छात्रों और बुद्धिजीवियों के 'समय दान' पर आधारित है। निदेशक डॉ. किशोर कुमार पंत का कहना है– ÷हम समाधान का हिस्सा बनना चाहते हैं, समस्या का नहीं।÷

अभिलाषा समिति के कार्य किसी प्रदर्शन का परिणाम नहीं, बल्कि वर्षों के सतत श्रम और सामाजिक प्रतिबद्धता का फल हैं। ग्रामीण अंचलों में यह संस्था शिक्षा को केवल परीक्षा पास करने का माध्यम नहीं, बल्कि जीवन से जोड़ने वाली शक्ति मानती है। विद्यार्थियों के बीच 'प्रतियोगिता दर्पण करेंट अफेयर्स क्विज', करियर काउंसलिंग और बाल शिक्षा आधारित पुस्तक वितरण जैसे कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। सीमांत क्षेत्रों में जहाँ आधुनिक संसाधनों की पहुँच अब भी सीमित है, वहाँ इस प्रकार की पहलें नई पीढ़ी को दिशा देने का काम कर रही हैं। पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में समिति ने एक अनोखी परंपरा शुरू की – ÷पेड़ों पर राखी बाँधो, पर्यावरण बचाओ।÷ इस अभियान के माध्यम से नागरिकों को पेड़ों और प्रकृति से भावनात्मक रूप से जोड़ा गया। जब एक बच्चा या महिला किसी वृक्ष पर राखी बाँधती है, तो वह उस वृक्ष के प्रति सुरक्षा का वचन देती है। इसी तरह समिति का ÷वनाग्नि विहिन हिमालय अभियान÷ केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक जनांदोलन बन चुका है। संस्था ने यह संदेश दिया है कि हिमालय को बचाना केवल सरकार की नहीं, बल्कि हर नागरिक की जिम्मेदारी है।

अभिलाषा समिति ने जैव विविधता संरक्षण को भी स्थानीय जीवन से जोड़ा है। पहाड़ी इलाकों में पारंपरिक खेती, औषधीय पौधों का संरक्षण, और जलस्रोतों की रक्षा को लेकर संस्था लगातार काम कर रही है। यह प्रयास केवल पर्यावरणीय नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण से भी जुड़ा है। ग्रामीण आजीविका और स्थानीय उत्पादों के विपणन को बढ़ावा देकर समिति ने यह सिद्ध किया है कि प्रकृति और विकास विरोधी नहीं, पूरक हैं।

स्वास्थ्य और नशा मुक्ति के क्षेत्र में भी संस्था का कार्य उल्लेखनीय है। सीमांत गांवों में स्वास्थ्य शिविर, स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम और नशा मुक्ति जनसंवाद आयोजित किए जा रहे हैं। युवाओं को यह समझाया जा रहा है कि नशा केवल व्यक्ति नहीं, बल्कि पूरी सामाजिक चेतना को खोखला करता है। डॉक्टरों, प्रोफेसरों और ग्रामीण बुद्धिजीवियों की सक्रिय भागीदारी ने इन कार्यक्रमों को प्रभावशाली बनाया है।

बाल संरक्षण और पास्को एक्ट पर अभिलाषा समिति द्वारा चलाए जा रहे अभियान ने समाज में नई चेतना जगाई है। स्कूलों, पंचायतों और समुदायों में बच्चों के अधिकारों और सुरक्षा पर आधारित संवाद आयोजित किए जा रहे हैं। संस्था ने यह बताया कि ÷बच्चे केवल परिवार की नहीं, पूरे समाज की जिम्मेदारी हैं।÷ इस पहल से अनेक विद्यालयों में बाल सुरक्षा समितियाँ गठित हुई हैं, जो एक स्थायी सामाजिक सुधार की दिशा में कदम है।

महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में अभिलाषा समिति ने स्वयं सहायता समूहों के साथ मिलकर स्थानीय महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए अनेक कार्यक्रम चलाए हैं। हस्तकला, जैविक उत्पाद, पौधशालाएँ, और ग्रामीण उद्योगों के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक शक्ति मिली है। संस्था का विश्वास है कि ÷सशक्त महिला ही सशक्त समाज की जननी है।÷ पहाड़ की महिलाओं ने इन कार्यक्रमों के माध्यम से अपनी पहचान और आत्मविश्वास दोनों को निखारा है।

आज के समय में जब सामाजिक कार्य 'फोटो अपलोड' और 'फंड रिपोर्टिंग' तक सीमित हो गए हैं, अभिलाषा समिति का मॉडल प्रेरक है। यहाँ कार्यकर्ता तन, मन, और समय से योगदान देते हैं। कोई शिक्षक अपने अवकाश में गाँव जाकर बच्चों को पढ़ाता है, कोई प्रोफेसर सामाजिक विषयों पर प्रशिक्षण देता है, तो कोई ग्रामीण महिला अपने अनुभव से दूसरों को प्रेरित करती है। यही 'समय दान' की अवधारणा इस संस्था की आत्मा है।

समाज के प्रति अभिलाषा समिति की यह प्रतिबद्धता आज राष्ट्रीय स्तर पर अनुकरणीय बन सकती है। उत्तराखंड के सीमांत क्षेत्रों में संस्था जो कार्य कर रही है, वही मॉडल देश के अन्य ग्रामीण अंचलों में भी लागू हो सकता है। ग्रामीण शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण जैसे विषयों पर जिस संवेदनशीलता के साथ संस्था काम कर रही है, वह नीतियों और योजनाओं से कहीं अधिक प्रभावशाली है। अभिलाषा समिति का कार्य यह भी दर्शाता है कि सच्चा विकास ऊपर से नहीं आता, वह भीतर से उपजता है। जब गांव के लोग स्वयं अपनी जिम्मेदारी समझते हैं, तो परिवर्तन स्थायी होता है। इस संस्था ने समाज को यह विश्वास दिलाया है कि संसाधनों की कमी कोई बाधा नहीं; इच्छाशक्ति, ईमानदारी और सहयोग सबसे बड़ी पूंजी हैं।

आज के समय में जब जनसेवा का अर्थ राजनीतिक मंचों और मीडिया कवरेज तक सीमित हो गया है, अभिलाषा समिति जैसे संगठनों का अस्तित्व समाज के लिए आशा की किरण है। यह संस्था यह भी सिखाती है कि ÷सेवा केवल सहायता नहीं, संस्कार है।÷

पिथौरागढ़ और चम्पावत की यह सीमांत धरती, जहां एक ओर हिमालय की शीतलता है, वहीं दूसरी ओर इन स्वयंसेवकों का तप भी। गांवों में शिक्षा की अलख जगाने से लेकर पर्यावरण की रक्षा तक, नशा मुक्ति से लेकर महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने तक – अभिलाषा समिति ने हर क्षेत्र में यह साबित किया है कि सच्चा सामाजिक कार्य शोर नहीं करता, असर छोड़ता है।

यह संस्था आज उस विचार की प्रतिनिधि बन चुकी है कि यदि हर नागरिक अपने हिस्से की जिम्मेदारी निभाए तो समाज बदलने में देर नहीं लगती। हर छोटे गांव में बैठा एक व्यक्ति भी यदि अपने आसपास सफाई, शिक्षा, और संवेदनशीलता के बीज बोए, तो विकास का पौधा अपने आप पनपता है।

डॉ. किशोर कुमार पंत के नेतृत्व में यह संस्था लगातार उस विचार को पुष्ट कर रही है कि बदलाव केवल सरकारों से नहीं, जन से जन तक संवाद से आता है। यह संवाद ही समाज को जोड़ता है, ऊर्जा देता है और दिशा भी। अभिलाषा समिति का उदाहरण यह सिद्ध करता है कि सीमांत उत्तराखंड केवल भौगोलिक रूप से सीमांत नहीं, बल्कि विचार और कर्म के स्तर पर अग्रिम पंक्ति में खड़ा है। यहाँ के लोग अपने सामर्थ्य से विकास की नई परिभाषा लिख रहे हैं। सामाजिक चेतना का यह सिलसिला केवल स्थानीय नहीं, राष्ट्रीय विमर्श का हिस्सा बनना चाहिए। क्योंकि जब गांव सशक्त होते हैं, तब राष्ट्र आत्मनिर्भर बनता है। और जब नागरिक अपने दायित्व को समझते हैं, तब लोकतंत्र मजबूत होता है। आज की सबसे बड़ी आवश्यकता यही है कि देश के हर क्षेत्र में ऐसी संस्थाएं उभरें, जो प्रचार नहीं, परिवर्तन में विश्वास रखें। जो फंड नहीं, फिक्र से काम करें। और जो संवेदना को नारे से ऊपर रखें।

अभिलाषा समिति, पिथौरागढ़ उसी विचार की प्रेरणा है।

जहाँ सेवा ही संगठन है, और संगठन ही परिवर्तन।

जहाँ मनुष्य केवल अपने लिए नहीं, समाज के लिए जीता है।

और जहाँ हिमालय की शीतलता, मानवता की ऊष्मा से मिलकर जन-चेतना की नई सुबह बनाती है।

लेखक : सोशल एक्टिविस्ट
(हल्द्वानी - नैनीताल)

उपनिवेशवाद की सोच भारतीयो को कुछ नया करने में बाधक

कांतिलाल मांडोत

आरएसएस भारतीय रास्ट्रवाद का स्वयंसेवक संगठन के विजयादशमी के दिन सौ वर्ष पूर्ण होने पर देश-विदेश में राष्ट्र को समर्पित अनेक कार्यक्रम हुए और अभी भी जारी है।कई उतार चढ़ाव से गुजरने के बाद अब आरएसएस वटवृक्ष बन गया है।भारत की ज्ञान परम्परा और शिक्षा पद्धति पर चिंतन होता रहा है।दुनिया मे शायद ही किसी संगठन की इतनी आलोचना की होगी,जितनी आरएसएस की हुई है।बिना आधार के आरएसएस पर लगाए सभी आरोप कपोल कल्पित और जूठे साबित हुए।दरअसल,अपने मन मे देश के प्रति जज्बा लिए ये युवा अपना सर्वस्व अर्पण कर देशसेवा के लिए हर जंग लड़ने के लिए हर समय तैयार रहते है।नीतिमत्ता और ईमानदारी का गुण जीवन की आधारशिला है।समाज को आगे लाने के लिए हर कदम पर सहयोग मिलने से भारत एक मजबूत राष्ट्र बनता जा रहा है।रास्ट्रीय स्वयंसेवक से सरसंघचालक मोहन भागवत की सक्रियता और समर्पण भाव को देखकर हर व्यक्ति दंग रह जाता है। भाजपा के राजनैतिक वर्चस्व के इस दौर में राष्ट्रवाद की भगवा सोच भी उसी तीव्र गति से बढ़ाया गया।आज भाजपा की मजबूत नींव पर आरएसएस के शुद्ध संकल्प और अच्छी सोच का ही कारण रहा है।संघ ने शिक्षा पद्धति में आमूल-चूल परिवर्तन करने और भगवा विचारों में रंगने की चाह के लिए रणनीति के साथ पहल हुई थी।संघ का योगदान देश की आजादी के समय 1947 में भी भरपूर रहा है।कश्मीर पर पाकिस्तान सेना की गतिविधियों पर संघ बराबार नजर रखे हुए था।1962 में संघ के स्वयंसेवक जिस तरह सीमा पर पहुँचे, उसे पूरे देश ने देखा।1963 में 26 जनवरी पर प्रधानमंत्री नेहरू ने स्वयंसेवक के कार्यकर्ताओं को परेड में शामिल होने का निमंत्रण दिया।ये देश के प्रति समर्पित है।1965 के भारत पाकिस्तान के युद्ध के समय लालबहादुर शास्त्री ने संघ को याद किया।स्वयंसेवको ने कानून व्यवस्था संभाली थीं।आरएसएस ने देशहित में अनेक ऐसे कार्य किये है।जिसका इतिहास बन चुका है।उपनिवेशवादी मानसिकता से मुक्त कराने के लिए शिक्षा से ही संभव है।और इस पर सरसंघचालक कही बार अपने मंच से बोलकर देश को अवगत कराते आ रहे है।शिक्षा के उद्देश्य, विषय वस्तु और व्यवस्था में भारतीयता होनी चाहिए।मोहन भागवत का सारा समय देश के लिए समर्पित है।देश मे आए दिन अनेक सभा और पथ संचलन के कार्यक्रम आयोजित कर युवाओ को प्रशिक्षित कर देशसेवा के प्रति समर्पण भाव के गुर सिखाए जा रहे है।संघ यह भी मानता है कि सत्ता से नही,बल्कि समाज के द्वारा ज्यादा प्रभावी होता है।वर्तमान में जो नवीन ज्ञान हमे मिल रहा है,उसे सीखे।जो सीखने योग्य है ,उसे अवश्य सीखे, किन्तु सीखने का उद्देश्य यही है कि हम अपने धार्मिक और सांस्कृतिक जीवन मूल्यो को नष्ट करके की जरा भी भूल नहीं करे।यही शिक्षा उपादेय,सार्थक एवं गाह्य है,जिसके द्वारा सत्य, अहिंसा, अस्तेय,अपरिग्रह, इंद्रिय, निग्रह, त्याग,परोपकार, दया,करुणा आदि गुणों का विकास हमारे भीतर हो।यही धारणा और समर्पित जीवन का लक्ष्य लिए देश सेवा करते हुये आरएसएस के सौ वर्ष पूर्ण हो चुके है।

डीएवी पब्लिक स्कूल देहरादून में 'रन फॉर डीएवी' मैराथन का भव्य आयोजन

750 प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा — स्वास्थ्य, अनुशासन और राष्ट्रनिर्माण का संदेश दिया

पथ प्रवाह, देहरादून

स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है और स्वास्थ्य ही मनुष्य की परम पूंजी है÷ – इन प्रेरणादायक धारणाओं को आत्मसात करते हुए डीएवी पब्लिक स्कूल, डिफेंस कॉलोनी, देहरादून में गांधी जयंती के उपलक्ष्य में 'रन फॉर डीएवी' के तहत 5 किलोमीटर की मैराथन दौड़ का भव्य आयोजन किया गया।

इस अवसर पर विद्यालय परिसर में देशभक्ति और उत्साह का वातावरण देखने को मिला।

मुख्य अतिथि के रूप में आर्मी सेवा निवृत्त कर्नल वीपी. नौटियाल एवं डॉ. बीके नौटियाल की उपस्थिति में कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि और माल्यार्पण के पश्चात विद्यालय के मुख्य द्वार से प्रधानाचार्या श्रीमती शालिनी समाधिया तथा कर्नल वी. पी. नौटियाल द्वारा हरी झंडी दिखाकर दौड़ का शुभारंभ किया गया।

संपूर्ण डीएवी संस्थानों में एक साथ हुआ आयोजन

यह मैराथन केवल देहरादून तक सीमित नहीं रही। संपूर्ण भारतवर्ष में डीएवी कॉलेज मैनेजिंग कमेटी, नई दिल्ली के तत्वावधान में और डीएवी स्पोर्ट्स कमेटी के दिशा-निर्देशों के अनुसार सभी डीएवी विद्यालयों और महाविद्यालयों में इस 'रन फॉर डीएवी' कार्यक्रम का आयोजन एक साथ किया गया।

डीएवी डिफेंस कॉलोनी में आयोजित इस मैराथन में लगभग 750 प्रतिभागियों – जिनमें छात्र-छात्राएँ, अभिभावक और कॉलोनीवासी शामिल थे – ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

दौड़ का मार्ग संपूर्ण डिफेंस कॉलोनी का दो चक्कर पूरा करने के बाद विद्यालय के मुख्य द्वार पर समाप्त हुआ।

मैराथन के उद्देश्य

इस कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के विचारों को आगे बढ़ाना, विद्यार्थियों में शारीरिक व मानसिक सशक्तिकरण, सामाजिक दायित्वों का निर्वहन, और राष्ट्रीय आदर्शों का पालन करने की भावना को विकसित करना था।

साथ ही यह आयोजन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'फिट इंडिया मूवमेंट' के तहत विद्यार्थियों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता और जीवन में सक्रियता लाने के उद्देश्य से किया गया।

कॉलोनीवासियों ने अपने घरों से निकलकर सड़कों के किनारे खड़े होकर प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। छोटे-बड़े सभी प्रतिभागियों में जोश और उमंग का माहौल रहा।

प्रतियोगिता के परिणाम

मैराथन में प्रतिभागियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अनुशासन और खेल भावना का परिचय दिया।

बालक वर्ग के परिणाम

अजय भंडारी - प्रथम स्थान, वैष्णव सिंह बिष्ट - द्वितीय स्थान, रित्विक रमन झा - तृतीय स्थान

बालिका वर्ग के परिणाम

अंशिका पंत - प्रथम स्थान, सौम्या बिष्ट - द्वितीय स्थान, श्रेया भट्ट - तृतीय स्थान

इनके अतिरिक्त विद्यालय के कक्षा 4 के नन्हे-मुन्ने छात्र आयुष खंतवाल ने भी पूरी दौड़ पूरी कर एक अनूठी मिसाल पेश की।

प्रधानाचार्या श्रीमती शालिनी समाधिया, वरिष्ठ शिक्षिका एवं पूर्व अध्यापिका श्रीमती पूनम मेहता ने विजेता विद्यार्थियों को मेडल पहनाकर सम्मानित किया और सभी प्रतिभागियों को उनके उज्ज्वल भविष्य की

शुभकामनाएँ दीं।

अतिथियों और प्राचार्या के प्रेरक विचार

मुख्य अतिथि कर्नल वी. पी. नौटियाल ने डीएवी विद्यालयों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन न केवल विद्यार्थियों को अनुशासित बनाते हैं, बल्कि उनमें राष्ट्र के प्रति समर्पण और जिम्मेदारी की भावना भी विकसित करते हैं। शारीरिक व मानसिक रूप से स्वस्थ रहना जीवन की सबसे बड़ी सफलता है। वहीं प्रधानाचार्या श्रीमती शालिनी समाधिया ने अपने प्रेरक संबोधन में कहा कि यह आयोजन हमारे दृढ़ संकल्प, अनुशासन और सकारात्मक दृष्टिकोण का प्रतीक है। यह प्रतिस्पर्धा केवल जीतने के लिए नहीं, बल्कि जीवन की चुनौतियों से जूझने और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों और सहयोगियों को इस आयोजन की सफलता के लिए बधाई दी और कहा कि डीएवी संस्थान सदैव विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और मूल्यनिष्ठ शिक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

सफल आयोजन के लिए आभार

प्रधानाचार्या श्रीमती शालिनी समाधिया ने डीएवी कॉलेज प्रबंध समिति के अध्यक्ष पद्मश्री डॉ. पूनम सूरी, खेल निदेशक डॉ. वी. सिंह, और डॉ. अल्पना शर्मा का हार्दिक आभार व्यक्त किया, जिनके मार्गदर्शन और प्रोत्साहन से यह आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। साथ ही उन्होंने जिलाधिकारी सविन बंसल, एसएसपी अजय सिंह (आईपीएस), इंद्रेश अस्पताल, और स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियों का सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने विद्यालय के स्वयंसेवक छात्रों की भी सराहना की जिन्होंने मार्ग प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था को उत्कृष्ट रूप से संभाला, जिससे सभी प्रतिभागियों के लिए यह अनुभव सुरक्षित, प्रेरक और आनंददायक बना। डीएवी गान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ, जहां सभी उपस्थित जनों ने राष्ट्र की एकता, अखंडता और स्वास्थ्य के प्रति प्रतिबद्धता का संकल्प लिया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तरांचल प्रेस क्लब के दीपावली महोत्सव में की शिरकत

पत्रकारों के योगदान की सराहना — प्रेस क्लब के लिए भव्य भवन निर्माण का किया ऐलान

पथ प्रवाह, देहरादून।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तरांचल प्रेस क्लब द्वारा आयोजित दीपावली महोत्सव-2025 कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने लक्की ड्रॉ विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए और सभी पत्रकारों को दीपावली की अग्रिम शुभकामनाएं दीं।

प्रेस क्लब को मिलेगा भव्य भवन, भूमि आवंटन की प्रक्रिया जारी

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने इस अवसर पर घोषणा की कि उत्तरांचल प्रेस क्लब की भूमि आवंटन की कार्यवाही वर्तमान में गतिमान है। उन्होंने कहा कि जैसे ही यह प्रक्रिया पूर्ण होगी, प्रेस क्लब के लिए एक भव्य भवन का निर्माण कार्य भी प्रारंभ किया जाएगा। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि पत्रकार समाज का दर्पण हैं, जिन्होंने उत्तराखंड राज्य आंदोलन से लेकर आज तक प्रदेश के विकास में अपनी लेखनी से महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता केवल खबरों का माध्यम नहीं, बल्कि जनभावनाओं और जिम्मेदारियों का सेतु

है।

पत्रकार दीपों की तरह समाज को रोशनी दिखाते हैं- मुख्यमंत्री धामी

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने दीपावली के पावन अवसर पर कहा कि यह पर्व हम सभी के जीवन में सकारात्मक ऊर्जा और आशा का संचार करता है। उन्होंने कहा कि पत्रकारों का जीवन भी दीपों की तरह है, जो अंधकार में प्रकाश फैलाने और समाज को दिशा देने का कार्य करते हैं।

उन्होंने सभी लोगों से इस दीपावली पर स्वदेशी उत्पादों को अपनाने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित भारत और विकसित उत्तराखंड के निर्माण के लिए हमें स्थानीय उत्पादों और स्वदेशी उद्योगों को बढ़ावा देना होगा।

समस्याओं के लिए सरकार संवेदनशील- मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि राज्य सरकार पत्रकारों के हितों के प्रति पूर्ण रूप से संवेदनशील है। उन्होंने बताया कि– पत्रकारों की सुरक्षा, स्वास्थ्य बीमा, आकस्मिक सहायता और आवासीय योजनाओं को लेकर कई कदम उठाए गए हैं। वरिष्ठ पत्रकार सम्मान योजना के अंतर्गत अनेक वरिष्ठ पत्रकारों को सम्मानित किया जा रहा है। पत्रकार पेंशन में वृद्धि की गई है।

विभिन्न जिलों से देहरादून आने वाले पत्रकारों के लिए सूचना विभाग के माध्यम से आवास व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है।

स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि मुख्यमंत्री पत्रकार पेंशन योजना के अंतर्गत पत्रकार कल्याण कोष का बजट 5 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 10 करोड़ रुपये कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि पत्रकारों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। साथ ही, राज्यभर के मीडिया सेंटरों के आधुनिकीकरण और प्रेस क्लबों के सशक्तिकरण का कार्य भी प्रारंभ हो चुका है।

पत्रकार लोकतंत्र की आत्मा हैं- मुख्यमंत्री धामी

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि पत्रकार सच्चाई और जनहित के लिए जिस निष्ठा और समर्पण से कार्य करते हैं, वह अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता केवल राजनीतिक या सामाजिक विषयों का प्रसार नहीं, बल्कि लोकतंत्र को जीवित रखने वाली शक्ति है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पत्रकार सरकार की योजनाओं को जनमानस तक पहुँचाने के साथ-साथ जनता की समस्याओं को सरकार तक पहुँचाने का भी कार्य करते हैं, जो लोकतांत्रिक व्यवस्था की रीढ़ है।

इस अवसर पर विधायक खजान दास, आपदा प्रबंधन सलाहकार समिति के उपाध्यक्ष विनय रुहेला, दायित्वधारी हेमराज बिष्ट, महानिदेशक सूचना बंशीधर तिवारी, उत्तरांचल प्रेस क्लब के अध्यक्ष भूपेंद्र कंडारी, महामंत्री सुरेंद्र डसीला, सहित बड़ी संख्या में पत्रकार एवं मीडियाकर्मी उपस्थित रहे।

केरल में कार्यकर्ताओं पर हमले के बाद भाजपा नेताओं ने माकपा पर निशाना साधा

तिरुवनंतपुरम। केरल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सत्तारूढ़ मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) पर सबरीमला अयप्पा मंदिर से कथित सोना चोरी के खिलाफ पार्टी के शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं के खिलाफ हिंसा करने का आरोप लगाया है।

केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने माकपा पर आरोप लगाया कि उसने राज्य के खजाने को लूटने के बाद अब मंदिरों को लूटने, धमकी देने और सड़क पर हिंसा के जरिए असहमति दबाने का काम शुरू कर दिया है।

उन्होंने कहा, ÷अगर माकपा सोचती है कि वह गुंडागर्दी से असहमति कुचल सकती है तो

वह ग़लतफ़हमी में हैं। भाजपा चुप नहीं रहेगी। जब डीवाईएफआई कार्यकर्ता शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन को रोकते हैं तो इससे यही साबित होता है कि मंत्री वी.एन. वासवन कुछ छिपा रहे हैं।÷

श्री चंद्रशेखर ने आरोप लगाया कि सबरीमला सोना चोरी की कथित घटना में श्री वसावन और माकपा के अन्य वरिष्ठ नेताओं की संलिप्तता है। उन्होंने कहा कि एट्टुमनूर में शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन से लौट रहे भाजपा कार्यकर्ताओं पर हिंसक हमला सत्तारूढ़ दल की हताशा को दर्शाता है। उन्होंने कहा, ÷महिला कार्यकर्ताओं पर भी हमला किया गया। यह राजनीति नहीं, बर्बरता है।÷ उन्होंने पुलिस पर आरोप लगाया कि जब माकपा कार्यकर्ता हमला कर रहे थे तब पुलिस चुपचाप खड़ी तमाशा देख रही थी।

भाजपा के प्रदेश महासचिव अनूप एंटनी ने कथित हमले की निंदा करते हुए कहा, ÷कम्युनिस्ट शासन इसी तरह अपना भ्रष्टाचार छुपाता है लेकिन भाजपा की लड़ाई तब तक जारी रहेगी जब तक मंत्री श्री वसावन इस्तीफा नहीं देते और यह हिंसक राजनीतिक संस्कृति समाप्त नहीं हो जाती।÷

पूर्व केंद्रीय मंत्री वी. मुरलीधरन ने भी सत्तारूढ़ दल पर निशाना साधते हुए इस घटना को लोकतंत्र और आस्था पर हमला करार दिया।

प्रत्यक्षदर्शियों और भाजपा नेताओं का दावा है कि एट्टुमनूर में विरोध मार्च से लौटते समय पार्टी कार्यकर्ताओं पर हमला किया गया, जिसमें कई लोग घायल हुए और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया।

आईएएस अंशुल सिंह की नई पारी:अल्मोड़ा के जिलाधिकारी के रूप में संभालेंगे कमान

नवीन चौहान

उत्तराखंड प्रशासनिक सेवा में अपनी तेजतर्रार कार्यशैली और जनसेवा के प्रति समर्पण के लिए पहचाने जाने वाले आईएएस अंशुल सिंह अब जिलाधिकारी अल्मोड़ा के रूप में अपनी नई जिम्मेदारी संभालने जा रहे हैं।

साल 2018 बैच के इस ऊर्जावान अधिकारी की कार्यशैली में जनता के प्रति संवेदनशीलता, विकास के प्रति जुनून और योजनाओं को जमीनी स्तर पर उतारने की गहरी समझ झलकती है।

अल्मोड़ा से गहरा नाता – विकास की नई कहानी लिखने की तैयारी

अंशुल सिंह का अल्मोड़ा से पुराना जुड़ाव रहा है। मुख्य विकास अधिकारी के रूप में कार्य करते हुए उन्होंने इस पर्वतीय जिले की भौगोलिक परिस्थितियों और जनसमस्याओं को निकट से समझा है। अब जिलाधिकारी के रूप में वे इस अनुभव को नये विकास अध्याय में

बदलने की तैयारी में हैं।

अल्मोड़ा के खूबसूरत क्रिकेट स्टेडियम से उनकी पुरानी यादें जुड़ी हैं – और अब एक बार फिर उसी धरती पर ÷प्रशासनिक बल्लेबाज÷ के तौर पर चौके-छक्के जड़ने का मौका मिलने जा रहा है।

हरिद्वार में शानदार कार्यकाल – एचआरडीए की मिसाल

हरिद्वार रूड़की विकास प्राधिकरण (एचआरडीए) के उपाध्यक्ष के रूप में अंशुल सिंह ने अपने कार्यकाल में विकास की नई परिभाषा गढ़ी।

1 जुलाई 2023 को हरकी पैड़ी पर मां गंगा की पूजा-अर्चना कर उन्होंने एचआरडीए वीसी का कार्यभार संभाला था। शुरुआत में ही उन्होंने विभागीय व्यवस्था को मजबूत किया, अधिकारियों-कर्मचारियों में जिम्मेदारी का बोध जगाया और जनता से सीधा संवाद स्थापित किया। उन्होंने प्रतिदिन जनता की समस्याएं सुनने की व्यवस्था की, और विकास कार्यों की प्राथमिकता तय की। भल्ला स्टेडियम का कायाकल्प, फ्लाईओवरों के नीचे खेल स्थलों का निर्माण, शहर की जाम समस्या से निपटने के लिए पार्किंग प्रोजेक्ट, कॉलोनियों में सुंदर पार्कों का निर्माण, और भगवानपुर झील का सौंदर्यीकरण – उनके कार्यकाल में आरंभ हुए कई ऐसे प्रोजेक्ट हैं जिन्होंने हरिद्वार की तस्वीर बदली।

अवैध निर्माणों पर सख्त कार्रवाई – जनसेवा में पारदर्शिता

अंशुल सिंह का नाम सख्त प्रशासनिक अनुशासन के लिए जाना जाता है।

अवैध कॉलोनियों और निर्माणों पर उन्होंने ध्वस्तीकरण की कड़ी कार्रवाई की और भूमाफियाओं को स्पष्ट संदेश दिया कि कानून से ऊपर कोई नहीं।

उन्होंने प्राधिकरण में पारदर्शिता और जवाबदेही की संस्कृति विकसित की।

सेवा शिविरों के माध्यम से मानचित्र स्वीकृति की नई पहल को जनता ने खूब सराहा।

जनसंपर्क में अग्रणी – खेलों के प्रति विशेष रुचि

अंशुल सिंह की पहचान केवल एक प्रशासनिक अधिकारी के रूप में नहीं, बल्कि एक बेहतरीन क्रिकेटर और खेलप्रेमी के रूप में भी है।

वह युवाओं को खेलों के प्रति प्रेरित करने के लिए अकसर मैदान में उतरते देखे जाते हैं। उनका मानना है कि ÷खेल अनुशासन और नेतृत्व दोनों सिखाते हैं, और यही प्रशासन की असली ताकत है।÷

धामी सरकार के विजन के साथी

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के सेवा, सुशासन और सरलीकरण के विजन को साकार करने में अंशुल सिंह की भूमिका उल्लेखनीय रही है। हरिद्वार में उन्होंने इस विचार को व्यवहार में बदला – अब वही ऊर्जा और प्रतिबद्धता अल्मोड़ा के विकास में देखने को मिलेगी।

हरिद्वार से अल्मोड़ा तक – जनता की यादों में बसेंगे अंशुल सिंह

हरिद्वार में उनके उल्लेखनीय कार्यों ने एक मजबूत छाप छोड़ी है। विकास की गति को नई दिशा देने, जनता से सीधा संवाद स्थापित करने और प्रशासनिक पारदर्शिता लाने के उनके प्रयासों को जनता लंबे समय तक याद रखेगी।

अब अल्मोड़ा में जिलाधिकारी के रूप में उनकी नई पारी शुरू हो रही है – जहां उनसे उम्मीदें और जिम्मेदारियां दोनों ही बड़ी हैं।

एक नजर

त्योहारी सीजन में उत्तरकाशी पुलिस की सख्ती, 150 लोगों का सत्यापन 8 मकान मालिकों पर कार्रवाई, ?88,500 का संयोजन शुल्क वसूला

पथ प्रवाह, संवाददाता, उत्तरकाशी। त्योहारी सीजन में सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने और बाहरी प्रांतों से आए संदिग्ध व्यक्तियों की निगरानी के उद्देश्य से उत्तरकाशी पुलिस ने जिला मुख्यालय क्षेत्र में सघन सत्यापन अभियान चलाया। पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी सरिता डोबाल के निर्देशन और कोतवाली प्रभारी भावना कैन्थोला के नेतृत्व में पुलिस की अलग-अलग टीमों ने रविवार को अभियान के तहत 150 व्यक्तियों का सत्यापन किया। अभियान के दौरान पुलिस ने बाहरी प्रांतों से आए किरायेदारों, मजदूरों, फड़-फेरी एवं रेड़ी-ठेला लगाने वाले व्यक्तियों के सत्यापन प्रपत्र भरकर जांच हेतु भेजे। वहीं, सत्यापन न करवाने वाले 8 मकान मालिकों और 34 व्यक्तियों के विरुद्ध पुलिस अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई। पुलिस ने इस कार्रवाई के दौरान 88,500 का संयोजन शुल्क वसूला है। सत्यापन अभियान के दौरान टीमों ने लोगों को किरायेदार, घरेलू नौकर, मजदूर आदि का शत-प्रतिशत पुलिस सत्यापन कराने के प्रति जागरूक किया। उत्तरकाशी पुलिस का कहना है कि त्योहारों के मद्देनज़र यह अभियान आगे भी जारी रहेगा ताकि किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके और जनपद में शांति एवं सुरक्षा बनी रहे।

बेशकीमती मेडा और पंजा जड़ी-बूटी के साथ दो तस्कर गिरफ्तार, 167 किलो प्रतिबंधित बरामद

पथ प्रवाह, मोरी/उत्तरकाशी।वन संपदा की अवैध तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए उत्तरकाशी पुलिस द्वारा चलाए जा रहे अभियान के तहत मोरी थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने दो तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 167 किलो प्रतिबंधित जड़ी-बूटी बरामद की है। यह कार्रवाई पुलिस की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई का नतीजा मानी जा रही है। पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी सरिता डोबाल के निर्देशन में तथा पुलिस उपाधीक्षक बड़कोट देवेंद्र सिंह नेगी के पर्यवेक्षण और थानाध्यक्ष मोहन कठैत के नेतृत्व में मोरी पुलिस टीम ने शनिवार की अपराह्न यह कार्रवाई अंजाम दी।

कुनारा तिराहे पर वाहन से बरामद हुई जड़ी-बूटी

मोरी-नेटवाड़ रोड स्थित कुनारा तिराहे पर पुलिस टीम ने चेकिंग के दौरान वाहन संख्या UK 07TD 1167 (कैम्पर) को रोका। वाहन की तलाशी लेने पर उसमें सवार दो व्यक्तियों –

1. राजेंद्र सिंह पुत्र जबर सिंह, निवासी ग्राम जखोल (थाना मोरी), उम्र 38 वर्ष (चालक)

2. सूरत सिंह पुत्र रामचंद्र, निवासी ग्राम लिवाड़ी (थाना मोरी), उम्र 46 वर्ष– के कब्जे से छह कट्टों में भरी 152 किलोग्राम मेडा जड़ी-बूटी और एक कट्टे में 15 किलोग्राम पंजा जड़ी-बूटी बरामद की गई।

जंगलों से एकत्र कर देहरादून ले जा रहे थे तस्कर

पुलिस पूछताछ में दोनों अभियुक्तों ने स्वीकार किया कि उन्होंने ये प्रतिबंधित जड़ी-बूटियां लिवाड़ी और मोरी क्षेत्र के जंगलों से एकत्रित की थीं। वे इन्हें बेचने के उद्देश्य से देहरादून ले जा रहे थे। पुलिस ने वाहन को सीज कर प्रतिबंधित वन संपदा सहित जब्त कर लिया है।

स्व. उम्मेद सिंह राणा स्मृति क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ, रौंणी ओनाल गांव ने किया जीत से आगाज़

पथ प्रवाह, संवाददाता, ठाकुर सुरेंद्र पाल सिंह

गाजणा/उत्तरकाशी। ग्राम पंचायत उडरी की देवभूमि श्री जाख देवता के पावन मंदिर प्रांगण में रविवार को स्वर्गीय श्री उम्मेद सिंह राणा की स्मृति में आयोजित क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य प्रियंका रावत (न्यूगांव-गाजणा) ने फीता काटकर किया।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में ग्राम प्रधान प्रतिनिधि प्रताप पंवार, क्षेत्र पंचायत सदस्य राजपाल पंवार, पूर्व प्रधान राय सिंह रावत, भागचंद बिष्ट, जयंती लाल, मंदिर समिति के अध्यक्ष लाखी रावत, बचन सिंह रावत एवं नरेश रावत सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी और खेलप्रेमी मौजूद रहे। आयोजन समिति के अध्यक्ष धनपाल रावत, उपाध्यक्ष रणजीत पंवार, सचिव त्रिलोक रावत, सह सचिव रमेश रावत एवं कोषाध्यक्ष किशोर रावत ने संयुक्त रूप से कार्यक्रम संचालन की जिम्मेदारी निभाई। मुख्य अतिथि प्रियंका रावत ने कहा कि टूर्नामेंट का उद्देश्य युवाओं में खेल भावना को प्रोत्साहित करना और ग्राम स्तरीय प्रतिभाओं को पहचान दिलाना है। उन्होंने स्व. उम्मेद सिंह राणा को क्षेत्र का

गौरव बताते हुए कहा कि उनके जीवन से प्रेरणा लेकर युवाओं को अनुशासन, समर्पण और सेवा की भावना के साथ आगे बढ़ना चाहिए। उद्घाटन दिवस का पहला मुकाबला रौंणी ओनाल गांव और कंडियाल गांव के बीच खेला गया, जो रोमांच से भरपूर रहा। कंडियाल गांव ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया, लेकिन ओनाल गांव की टीम ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 12 ओवर में 138 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी कंडियाल टीम 121 रन पर सिमट गई। रौंणी ओनाल के अरुण ने 67 नाबाद रन बनाकर और 3 विकेट लेकर 'मैन ऑफ द मैच' का खिताब अपने नाम किया। टूर्नामेंट आयोजन समिति ने बताया कि विजेता टीम को ?51,000 और उपविजेता टीम को ?31,000 का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। समिति ने खिलाड़ियों से अनुशासन और टीम भावना बनाए रखने का आह्वान किया है। आयोजकों ने क्षेत्र के सभी खेलप्रेमियों से अपील की कि वे मैदान में पहुंचकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करें। आने वाले दिनों में कई रोमांचक मुकाबलों के आयोजन से क्षेत्र में खेल माहौल और उत्साह का संचार होगा।

संघ के शताब्दी वर्ष पर मनेरी सेवा आश्रम में हुआ केशवपुरम मंडल का कार्यक्रम, बौद्धिक सत्र में 'पंच परिवर्तन' पर हुई चर्चा

पथ प्रवाह,संवाददाता ठाकुर सुरेंद्र पाल सिंह

उत्तरकाशी। संघ के शताब्दी वर्ष समारोह के अंतर्गत भटवाड़ी ब्लॉक के केशवपुरम मंडल का विशेष कार्यक्रम आज मनेरी स्थित परम् पूजनीय डॉ. नित्यानंद जी की कर्मभूमि सेवा आश्रम में आयोजित हुआ। इस अवसर पर बौद्धिक सत्र में शिशु मंदिर तिलोथ के प्रधानाचार्य अरविंद रावत ने ÷पंच परिवर्तन÷ विषय पर विस्तृत विचार रखे। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि ÷पंच परिवर्तन÷ के तहत समाज को पाँच मुख्य बिंदुओं पर ध्यान देना होगा – स्व परिवर्तन, कुटुंब परिबोधन, सामाजिक समरसता, नागरिक कर्तव्य और पर्यावरण संरक्षण। उन्होंने बताया कि स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग आत्मनिर्भर भारत की दिशा में सबसे बड़ा कदम है। परिवार का दायरा बड़ा होकर जब कुटुंब बनता है, तब समाज की नींव मजबूत होती है। अपनी भेष-भूषा, खान-पान और जीवनशैली में भारतीयता बनाए रखना तथा पाश्चात्य संस्कृति का विरोध करना आवश्यक है। अरविंद रावत ने कहा कि संघ का आधार समरसता है – यहाँ जात-पात और छुआछूत का कोई स्थान नहीं। नागरिक कर्तव्यों का पालन हर व्यक्ति का दायित्व है और पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने जन्मदिन या किसी भी शुभ अवसर पर पौधारोपण अवश्य करना चाहिए। कार्यक्रम

की अध्यक्षता भूतपूर्व सैनिक उपेंद्र सिंह राणा, ग्राम प्रधान बायणा ने की। राणा संघ के कार्यों से प्रभावित होकर शाखा से जुड़ गए। उन्होंने कहा कि संघ के अनुशासन, सेवा और राष्ट्र निर्माण की भावना ने सदैव उन्हें प्रेरित किया है।

इस अवसर पर नवयुवक स्वयंसेवकों ने भी संघ से प्रेरित होकर देशप्रेम, अनुशासन और सेवा भावना को अपनाने का संकल्प लिया। बौद्धिक सत्र के पश्चात स्वयंसेवकों का संचलन सेवा आश्रम से प्रारंभ होकर मनेरी कॉलोनी होते हुए पुनः सेवा आश्रम में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में गंगोत्री विधायक सुरेश चौहान, कैलाश गॉड, चतर, प्रवेंद्र, जयप्रकाश, रमेश नौटियाल तथा जिला प्रचार प्रमुख अनूप भंडारी सहित अनेक कार्यकर्ता एवं नागरिक उपस्थित रहे।

समारोह का समापन राष्ट्रगीत के साथ हुआ, जहाँ उपस्थित जनों ने संघ के शताब्दी वर्ष को समाज निर्माण का स्वर्ण अवसर बताते हुए एक सशक्त, आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में सक्रिय योगदान देने का संकल्प लिया।

संत रविदास अखाड़े का सम्मान, कुंभ में 13 अखाड़ों के साथ करेगा शाही स्नानः श्रीमहंत रविंद्र पुरी

पथ प्रवाह, हरिद्वार। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद और मनसा देवी ट्रस्ट के अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्र पुरी महाराज ने कहा कि साधु बनना सरल है, किंतु संत बनने के लिए त्याग, तपस्या और ज्ञान आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति संत या महामंडलेश्वर बनेगा, उसे घर-परिवार का त्याग करना होगा। अपना पूरा समय पूजा, अर्चना और साधना में लगाना होगा। संत शिरोमणि गुरु रविदास महान संत रहे है और संत रविदास का अखाड़ा धर्म संस्कृति का संवाहक बनेगा। एक ऐसा अखाड़ा होगा, जो न केवल धार्मिक परंपरा का प्रतीक होगा, बल्कि समाज में एकता और समानता का संदेश भी देगा।

श्रीमहंत रविंद्र पुरी रविवार को बहादराबाद स्थित एक फार्म हाउस में आयोजित शिरोमणि गुरु रविदास विश्व महापीठ के अधिवेशन को संबोधित कर रहे थे।

श्रीमहंत रविंद्र पुरी महाराज ने कहा कि यह आवश्यक नहीं कि कोई प्रभावशाली समाज का व्यक्ति ही महामंडलेश्वर बने, बल्कि जिस समाज में संत रविदास जैसे महापुरुष जन्मे हों, उस समाज से भी महामंडलेश्वर बनना चाहिए। उन्होंने बताया कि आने वाले कुंभ पर्व में विधि-विधान के साथ रविदास समाज की पेशवाई और शाही स्नान का आयोजन किया जाएगा। यह अखाड़ा इतना विशाल और संगठित होगा कि पूरी दुनिया उसकी एकता और व्यवस्था का उदाहरण देगी।

श्रीमहंत रविंद्र पुरी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी का भी यही दृष्टिकोण है कि हम अनेक जातियों में बँटने के बजाय एक समाज के रूप में एकजुट हों। उन्होंने कहा कि अखाड़ा परिषद का उद्देश्य सनातन परंपरा को पुनर्जीवित करना है, और इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए संत रविदास अखाड़ा एक नई सामाजिक दिशा देगा।

उन्होंने कहा, ÷हमारा प्रयास है कि अखाड़े की घोषणा केवल औपचारिक न रहे, बल्कि यह अखाड़ा समाज की चेतना और आत्मसम्मान का प्रतीक बने। जब यह अखाड़ा स्थापित होगा, तो सभी अखाड़ों में अपनी विशिष्ट पहचान रखेगा।

शिरोमणि गुरु रविदास विश्व महापीठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरजीत कुमार ने कहा कि रविदास समाज विश्व का सबसे बड़ा समाज है, लेकिन अब आवश्यक है कि सभी एक मंच पर आएं। उन्होंने कहा कि ÷राम मंदिर की लड़ाई 500 साल तक चली, जबकि तुगलकाबाद में रविदास मंदिर की लड़ाई मात्र छह वर्षों में जीत ली गई, यह समाज की एकता का परिणाम है।

उन्होंने कहा कि यदि समाज एकजुट हो जाए, तो ग्राम पंचायत से लेकर संसद तक में अपनी सशक्त भागीदारी सुनिश्चित की जा सकती है।

प्रदेश अध्यक्ष प्रो. धर्मेंद्र कुमार ने कहा कि श्रीमहंत रविंद्र पुरी महाराज द्वारा रविदास अखाड़ा की घोषणा ऐतिहासिक कदम है। आगामी कुंभ मेले में शाही स्नान के संबंध में जूना अखाड़ा या निरंजनी अखाड़ा परिषद के साथ समन्वय किया जाएगा। उन्होंने कहा कि संत रविदास अखाड़ा में बड़ा सिंहासन और सुसंगठित व्यवस्था होगी।

अधिवेशन में समाज के सैकड़ों प्रतिनिधियों की सहभागिता

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष प्रो. धर्मेंद्र कुमार ने की, जबकि संचालन प्रदेश महामंत्री संगठन सतीश कुमार ने किया। इस अवसर पर समाज, राजनीति और प्रशासन से जुड़े अनेक विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में उपस्थित प्रमुख अतिथियों में –

पूर्व डिप्टी स्पीकर आत्माराम परमार, अनुसूचित जाति आयोग अध्यक्ष मुकेश कुमार, समाज कल्याण परिषद उपाध्यक्ष देशराज कर्णवाल, उच्च शिक्षा उपाध्यक्ष (राज्यमंत्री) डॉ. जयपाल सिंह चौहान, भाजपा रुड़की जिलाध्यक्ष शोभराज प्रजापति, अनुसूचित जाति आयोग सदस्य विशाल मुखिया, पूर्व दर्जाधारी सुशील चौहान, पूर्व मंत्री सुबोध राकेश, उपाध्यक्ष राजेश गौतम, संरक्षक मोदिमल तेगवाल, किशोर पाल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अशोक भारती, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष बरखा रानी, दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष मनोज कुमार, जिलाध्यक्ष देशराज कपिल, विजयपाल सिंह, महंत मेहरदास, भूपसिंह, स्वराज सिंह, मनीराम, पूर्व मंत्री यशवीर सैनी, संदीप कुमार, संजय कुमार समेत सैकड़ों लोग शामिल हुए।

एक नजर

खोया मोबाइल पुलिस ने किया सुपुर्द

पिथौरागढ़, संवाददाता। गुमशुदा मोबाइल बरामदगी अभियान के अन्तर्गत जनपद पुलिस द्वारा त्वरित व प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में प्रभारी कोतवाली धारचूला अंबी राम के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा ष्टश्वढ्ढक्र पोर्टल पर अपलोड मोबाइल गुमशुदगी रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए अमर सिंह निवासी धारचूला का मोबाइल फोन बरामद कर सकुशल उनके सुपुर्द किया गया। जनपद पुलिस ने आमजन से अपील की है कि मोबाइल गुमशुदा होने की स्थिति में तत्काल नजदीकी थाने पर सूचना दें या गुमशुदगी रिपोर्ट ष्टश्वढ्ढक्र पोर्टल पर अपलोड करें, ताकि शीघ्र बरामदगी सुनिश्चित हो सके।

इंडिगो पर 40 लाख का जुर्माना

नई दिल्ली। डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन ने इंदिगो एयरलाइंस पर 40 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। पायलट ट्रेनिंग में अन-क्वालिफाइड फ्लाइट सिमुलेटर के इस्तेमाल करने की वजह से ये एक्शन लिया गया है। जांच में पाया गया कि करीब 1700 पायलटों की ट्रेनिंग कैटेगरी सी एयरपोर्ट्स जैसे कलिकट, लेह और काठमांडू हवाई अड्डों पर नियमों के अनुसार बताए गए सिमुलेटरों पर नहीं हुई। डीजीसीए ने 11 अगस्त 2025 को ट्रेनिंग डायरेक्टर को शो कॉज नोटिस जारी किया था। इंदिगो ने 22 अगस्त को इसका जवाब दिया लेकिन इसे संतोषजनक नहीं पाया गया, इसलिए पेनल्टी लगाई गई।

ड्राइवर को दौरा, बस ने 9 वाहनों को रौंदा

बेंगलुरु। बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास रविवार को एक बड़ा हादसा हो गया. बेंगलुरु मेट्रोपॉलिटन ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन की एक बस अनियंत्रित होकर 9 वाहनों से टकरा गई. प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक हादसा उस वक्त हुआ जब बस चालक को अचानक दौरा (फिट्स) पड़ा और उसने गलती से एक्सीलेरेटर दबा दिया. इससे बस बेकाबू होकर आगे बढ़ती गई और एक के बाद एक वाहन को टक्कर मार दी. इस घटना की सीसीटीवी फुटेज भी सामने आई है, जिसमें साफ दिख रहा है कि बस ड्राइवर को अचानक दौरे पडऩे लगे, और बस लगातार आगे बढ़ती चली गई.

प्रशांत किशोर पर राघोपुर में केस दर्ज, आचार संहिता उल्लंघन का आरोप

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव की सरगर्मियों के बीच जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर के खिलाफ आचार संहिता उल्लंघन का मामला दर्ज किया गया है। राघोपुर अंचलाधिकारी (सीओ) दीपक कुमार के बयान पर राघोपुर थाने में यह प्राथमिकी दर्ज की गई है। शनिवार को प्रशांत किशोर अपने काफिले के साथ वैशाली जिले के राघोपुर पहुंचे थे। इसी दौरान आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए प्रशासन ने यह केस दर्ज कराया है। प्राथमिकी में प्रशांत किशोर, प्रखंड अध्यक्ष सहित अन्य अज्ञात व्यक्तियों को नामजद किया गया है। बताया जा रहा है कि किशोर ने राघोपुर से अपने चुनावी अभियान की औपचारिक शुरुआत की थी। यह क्षेत्र राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव का पारंपरिक निर्वाचन क्षेत्र माना जाता है। यहां पहुंचे प्रशांत किशोर का समर्थकों ने जोरदार स्वागत किया। ढोल-नगाड़ों और फूल-मालाओं के साथ उनका अभिनंदन किया गया। राघोपुर से प्रचार की शुरुआत करते हुए किशोर ने तेजस्वी यादव पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, कि शायद तेजस्वी यादव का हश्र उनके सहयोगी राहुल गांधी जैसा होगा, जो 2019 में वायनाड से तो जीत गए, लेकिन अमेठी से हार गए।

अखिल भारतीय राष्ट्रीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता में पिथौरागढ़ ने 2 स्वर्ण और 1 रजत पदक जीता

जीवन सिंह बोहरा, पिथौरागढ़

पंजाब प्रान्त के चण्डीगढ़ में दिनांक 6 से 8 अक्टूबर तक आयोजित विद्या भारती की अखिल भारतीय राष्ट्रीय स्तर की बॉक्सिंग प्रतियोगिता में जनपद पिथौरागढ़ के मुक्केबाजों ने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए तरूण बोरा ने स्वर्ण पदक तथा अजय वर्मा ने रजत पदक प्राप्त किया। यह मुक्केबाज खेल विभाग, पिथौरागढ के अधीन संचालित प्रशिक्षण केन्द्र मुनस्यारी में बॉक्सिंग कोच महिमा विश्वकर्मा से प्रशिक्षण प्राप्त करते है।

इस प्रतियोगिता में प्रशिक्षण केन्द्र नैनी सैनी के ललित सिंह बिष्ट ने भी स्वर्ण पदक प्राप्त किया। यह मुक्केबाज नैनी सैनी में बॉक्सिंग कोच राजेन्द्र सिंह जेठी से प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

इस उपलब्धि पर इनका चयन बॉक्सिंग खेल में स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इण्डिया के लिये किया गया है। राज्य स्तरीय बॉक्सिंग विद्यालयी प्रतियोगिता 7 से 9 अक्टूबर तक हल्द्वानी में आयोजित की गयी थी। जिसमें सुहाना खत्री ने स्वर्ण पदक, दिव्यांशु भैसोड़ा ने रजत पदक तथा अनुज कुमार ने कांस्य पदक प्राप्त किया। यह मुक्केबाज खेल विभाग, पिथौरागढ के अधीन संचालित प्रशिक्षण केन्द्र देवसिंह मैदान में बॉक्सिंग कोच प्रकाश जंग थापा से प्रशिक्षण प्राप्त करते है।

इस उपलब्धि पर जिला क्रीड़ा अधिकारी पिथौरागढ़ अनूप बिष्ट, कैप्टन हरि सिंह थापा जिला मुक्केबाजी एसोसिएशन, पिथौरागढ़ सहित जनपद के सभी प्रशिक्षकों, खिलाड़ियों एवं खेल प्रेमियों ने शुभकामनाएं दी है।

लूट का खुलासा, शातिर लूटेरा गिरफ्तार, लूटी गई रकम भी बरामद

पिथौरागढ़, संवाददाता। कोतवाली पिथौरागढ़ पुलिस ने लूट की घटना का खुलासा करते हुए एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से पुलिस ने लूटी गइ रकम भी बरामद करने का दावा किया है।

पुलिस के मुताबिक बीती 10 अक्टूबर को कोतवाली पिथौरागढ़ में एक व्यक्ति द्वारा तहरीर दी गई कि उनके दादा फय्याज खान निवासी तिलढूकरी, पिथौरागढ़ अपनी दुकान से घर जा रहे थे, तभी एक अज्ञात युवक ने पीछे से धक्का देकर गिराया तथा उनकी जेब से 24 हजार रुपये की नकदी लूटकर फरार हो गया। घटना में वादी के दादा जी के चेहरे, सिर, घुटने व हाथ आदि पर चोटें आई थी। पुलिस अधीक्षक पिथौरागढ़ रेखा यादव के निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली पिथौरागढ़ ललित मोहन जोशी के नेतृत्व में त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम गठित की गई। पुलिस टीम द्वारा प्रभावी कार्यवाही करते हुए एवं आसपास के सीसीटीवी फुटेज, मुखबिर तंत्र के माध्यम से की गई

जांच के आधार पर पुलिस टीम द्वारा सागर सोराडी पुत्र नारायण दत्त सोराडी निवासी लिंठुरा को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में अभियुक्त द्वारा अपराध स्वीकार किया गया तथा उसकी निशानदेही पर लूटी गई रकम में से 17,130/- नकद व चोरी के पैसों से खरीदी अन्य सामग्री बरामद किए गए। पूछताछ में यह भी प्रकाश में आया कि अभियुक्त ने लूटी गई रकम से करवाचौथ के अवसर पर अपनी पत्नी के लिए साड़ी व अन्य सामग्री खरीदी थी। अभियुक्त आपराधिक प्रवृत्ति का व्यक्ति है, जिसके विरुद्ध कोतवाली पिथौरागढ़ में पूर्व में 5 अभियोग पंजीकृत हैं ।

एक नजर

बिहार में इंडिया ब्लॉक से अलग हुए लोजपा रा पशुपति कुमार पारस एआईएमआईएम के साथ

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव से ठीक पहले महागठबंधन (इंडिया ब्लॉक) और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष पशुपति कुमार पारस के बीच सीट बंटवारे को लेकर चल रही बातचीत टूट गई है। सूत्रों के मुताबिक, राजद ने पारस को अपनी पार्टी का विलय करने के बदले तीन सीटों का प्रस्ताव दिया था, लेकिन पारस इसके लिए तैयार नहीं हुए। अब खबर है कि पारस की पार्टी लोजपा रा, बीएसपी (बसपा) और ओवैसी का गठबंधन बिहार विधानसभा चुनाव में मैदान में उतरेगा। यह नया समीकरण महागठबंधन के लिए सिरदर्द साबित हो सकता है, खासकर उन इलाकों में जहां पारस गुट का दलित और पासवान वोट बैंक प्रभावी रहा है।

इधर, इस सियासी उथल-पुथल के बीच बाहुबली सूरजभान सिंह ने भी पारस का साथ छोड़ दिया है। बताया जा रहा है कि सूरजभान की पत्नी और पूर्व सांसद वीणा देवी को राजद ने मोकामा सीट से टिकट देने का फैसला किया है। वे यहां अनंत सिंह के खिलाफ चुनाव लड़ेंगी। वहीं, सूरजभान के भाई और पूर्व सांसद चंदन सिंह को भी राजद से टिकट मिलने की संभावना जताई जा रही है।

नई दिल्ली में उच्च-स्तरीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन यूएनटीसीसी सम्मेलन का आयोजन

नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों के भविष्य और उभरते खतरों पर विचार-विमर्श करने के लिए भारत 14 से 16 अक्टूबर तक नई दिल्ली में एक उच्च-स्तरीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन यूएनटीसीसी सम्मेलन का आयोजन कर रहा है। संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों में सबसे बड़े योगदानकर्ताओं में से एक होने के नाते, भारत इस सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है। इस सम्मेलन में 32 संयुक्त राष्ट्र सैन्य योगदानकर्ता देशों ने हिस्सा लेने की पुष्टि की है, जिनमें 15 देशों के आर्मी चीफ, 17 देशों के वाइस चीफ और अन्य उच्च स्तरीय सैन्य अधिकारी शामिल होंगे।

यूएनटीसीसी एक ऐसा खास मंच है, जो ऑपरेशनल चुनौतियों, उभरते खतरों, आपसी भागीदारी, निर्णय-प्रक्रिया में समावेशिता और शांति स्थापना को बढ़ावा देने में टेक्नोलॉजी और ट्रेनिंग की भूमिका पर विचार-विमर्श का मौका देता है। यह सम्मेलन वसुधैव कुटुम्बकम की भारतीय दर्शन परंपरा का सशक्त प्रतीक है।

इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य उभरते खतरों पर विचार-विमर्श करना और भविष्य की शांति स्थापना के लिए एक साझा दृष्टिकोण विकसित करना है। सम्मेलन को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, विदेश मंत्री एस। जयशंकर और सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी समेत कई वरिष्ठ अधिकारी संबोधित करेंगे।

हरियाणा में सत्ता तंत्र ने दलित अफसर की मौत को भी राजनीति और रसूख के नीचे दबाने की कोशिश की - आप

चंडीगढ़। आम आदमी पार्टी पंजाब में दलित आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार को इंसाफ दिलाने के लिए सड़कों पर उतरी। प्रदेश के सभी प्रमुख जिलों में पार्टी के मंत्री और विधायकों की अगुवाई में कैंडल मार्च निकाले गए। पार्टी ने कहा कि यह मामला केवल एक अफसर की मौत का नहीं, बल्कि न्याय, समानता और सामाजिक सम्मान की लड़ाई है। वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी की खुदकुशी के बाद परिवार लगातार न्याय के लिए संघर्ष कर रहा है। आम आदमी पार्टी ने कहा कि परिवार को न्याय न मिलने और हरियाणा की भाजपा सरकार की खामोशी ने पूरे पंजाब में जनभावना को जगा दिया है। पार्टी की ओर से कहा गया कि जनभावना साफ दिख रही है। लोग गुस्से में हैं, आहत हैं और यह सवाल पूछ रहे हैं कि जब एक वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी तक को न्याय नहीं मिल पा रहा तो आम नागरिक का क्या होगा। भाजपा सरकार की चुप्पी और सुस्त रवैये ने इस गुस्से को और गहरा कर दिया है।

साथ ही पार्टी ने कहा कि पोस्टमार्टम और अंतिम संस्कार में देरी इस बात का प्रतीक बन चुकी है कि सत्ता तंत्र ने एक दलित अफसर की मौत को भी राजनीति और रसूख के नीचे दबाने की कोशिश की है, लेकिन अब पंजाब की सड़कों पर इंसाफ की यह मांग आम आदमी पार्टी के नेतृत्व में गूंज उठेगी।

लगता है मायावती का कोई राज छुपा हुआ है, ना जाने वो क्यों डरी हुई हैं - चंद्रशेखर आजाद

प्रयागराज। आजाद समाज पार्टी के मुखिया और सांसद चंद्रशेखर आजाद ने रोहिणी नाम की युवती के उनके ऊपर लगाए जा रहे शोषण के आरोपों का खंडन किया है। चंद्रशेखर ने कहा कि जब राजनीति करेंगे तो आरोप तो लगेंगे ही। वहीं, बसपा चीफ मायावती की रैली में योगी सरकार की तारीफ किए जाने पर उन्होंने कहा कि, लगता है मायावती का कोई राज छुपा हुआ है। ना जाने क्यों वो डरी हुई हैं। दलितों के ऊपर अत्याचार हो रहा है और ऐसी सरकार की तारीफ की जा रही है।

प्रयागराज पहुंचे चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि, जाति पूछकर और बताकर देश में लोगों को मारा जा रहा है। आज देश में जिस तरह का माहौल है वो किसी से छिपा हुआ नहीं है। सीजेआई के ऊपर जूता फेंके जाने का मामला हो। यह जूता सीजेआई के ऊपर नहीं बल्कि पूरे दलित और पिछड़े समाज को पड़ा है। यह घटना देश की खोखली सरकारों का परिणाम है। रायबरेली में दलित युवक की पीट पीटकर हत्या के मामले में चंद्रशेखर ने कहा कि, वाल्मीकि समाज के लोगों को मारने के बाद जिस तरीके से हंसकर यह कहा गया कि हम बाबा के लोग है, इससे यह साबित हो जाता है कि यूपी में दलितों की हैसियत क्या है और उनकी जान सुरक्षित नहीं है। कल के दिन कौन सी लाठी, कौन सा जूता हमारे सम्मान पर पड़ेगा ये पता नहीं। दलित समाज दबने वाला नहीं है।

आजम खान को वाय कैटेगरी वापस मिली

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री मोहम्मद आजम खान की सुरक्षा एक बार फिर बहाल कर दी गई है. उत्तर प्रदेश सरकार ने उन्हें पहले की तरह ङ्ख श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की है. इसके तहत अब आजम खान के साथ फिर से कमांडो तैनात रहेंगे.

आजम खान की सुरक्षा उस वक्त वापस ले ली गई थी जब वे विभिन्न मामलों में जेल भेजे गए थे. हालांकि, जेल से रिहा होने और राजनीतिक गतिविधियों में फिर से सक्रिय होने के बाद अब प्रशासन ने उनकी सुरक्षा पुन- बहाल कर दी है.

तालिबान विदेशमंत्री ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में महिला पत्रकारों को बुलाया

कहा पिछली बार समय कम था, इसलिए सबको नहीं बुलाया

नई दिल्ली। अफगानिस्तान की तालिबान सरकार के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी ने रविवार को दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें महिला पत्रकारों को भी बुलाया गया। प्रेस-कॉन्फ्रेंस में महिला पत्रकार पहली लाइन में बैठीं थीं। इससे पहले शुक्रवार को हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में महिला पत्रकारों को नहीं बुलाया गया था।इस पर विवाद भी खड़ा हो गया था। मुत्तकी ने पिछली बार महिला पत्रकारों को न बुलाने पर सफाई भी दी। उन्होंने बताया कि यह सिर्फ तकनीकी कारणों से हुआ था। पिछली बार पत्रकारों की छोटी लिस्ट तैयार की गई थी, क्योंकि समय कम था। इसके अलावा कोई दूसरा इरादा नहीं था।

मुत्तकी ने कहा कि उनके देश में कुल 1 करोड़ विद्यार्थी स्कूल और अन्य शैक्षणिक संस्थानों में पढ़ रहे हैं, जिनमें 28 लाख महिलाएं और लड़कियां शामिल हैं। धार्मिक मदरसों में भी यह शिक्षा स्नातक स्तर तक उपलब्ध है। कुछ क्षेत्रों में सीमाएं हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि वे शिक्षा के खिलाफ हैं। महिलाओं की शिक्षा को धार्मिक रूप से हराम घोषित नहीं किया गया है, बल्कि इसे अभी दूसरी व्यवस्था तक स्थगित किया गया है।

भारत के साथ बढ़ेगा व्यापार

उन्होंने भारत के विदेश मंत्री से मुलाकात की और अर्थव्यवस्था, व्यापार और अन्य मुद्दों पर चर्चा की। बैठक के दौरान, भारत के विदेश मंत्री ने घोषणा की कि भारत काबुल में अपने मिशन को एम्बेसी में अपग्रेड करेगा और काबुल के राजनयिक जल्द ही नई दिल्ली आएंगे। बैठक के दौरान भारत के विदेश मंत्री ने काबुल और दिल्ली के बीच उड़ानों की संख्या बढ़ाने की घोषणा की। इसके अलावा, दोनों पक्षों ने व्यापार और अर्थव्यवस्था पर समझौता किया। अफगानिस्तान ने भारत को विशेष रूप से खनिज, कृषि और खेल क्षेत्रों में निवेश के लिए आमंत्रित किया। बैठक में चाबहार बंदरगाह पर भी चर्चा हुई। अफगानिस्तान ने वाघा बॉर्डर को खोलने का अनुरोध किया, जो भारत और अफगानिस्तान के बीच सबसे तेज और आसान व्यापार रास्ता है।

भारत को इन्वेस्टमेंट का न्योता दिया

मुत्ताकी ने कहा कि अफगानिस्तान ने भारत को खनिज, कृषि और खेल क्षेत्र में निवेश के लिए न्योता दिया है। इसके अलावा, चाबहार बंदरगाह के डेवलपमेंट और इस्तेमाल पर भी चर्चा हुई। उन्होंने भारत से वाघा बॉर्डर खोलने का अपील की, क्योंकि यह भारत-अफगानिस्तान व्यापार के लिए सबसे तेज और आसान रास्ता है। मुत्तकी ने 2021 में अफगानिस्तान में मारे गए भारतीय पत्रकार दानिश सिद्दीकी की मौत पर दुख जताया। उन्होंने कहा कि पिछले चार साल में अफगानिस्तान में कोई पत्रकार घायल नहीं हुआ। हमें हर मौत का दुख है। उन्होंने ने कहा कि 40 साल तक सोवियत, अमेरिका और नाटो ने अफगानिस्तान पर कब्जा किया, लेकिन अब देश आजाद है और अपने दम पर खड़ा है। अफगानिस्तान में कोई समस्या नहीं है और वहां सब कुछ ठीक है।

पाकिस्तानी लोगों से दिक्कत नहीं

पाकिस्तान के सवालों पर मुत्तकी ने उर्दू में जवाब दिया। उन्होंने कहा- पाकिस्तान की जनता से हमारी कोई दुश्मनी नहीं है, लेकिन कुछ लोग परेशानी पैदा करते हैं। उन्होंने बताया कि पाकिस्तान की शरारत के जवाब में अफगानिस्तान ने एक ऑपरेशन शुरू किया था, जिसे कतर और सऊदी अरब की मदद से रोक दिया गया।

उन्होंने कहा कि हमसे बात करें, हम शांति चाहते हैं, वरना हमारे पास और रास्ते भी हैं। मुत्तकी ने कहा कि पाकिस्तान तालिबान अफगानिस्तान में नहीं है, लेकिन पाकिस्तान को अपने आतंकी ग्रुप्स को रोकना होगा। तालिबान के झंडे की तरफ इशारा करते हुए मुत्तकी ने कहा- यह हमारा झंडा है। इसके लिए हमने जिहाद लड़ा।

केरल फिर बना देश का रोल मॉडल

अत्यंत गरीबी खत्म करने वाला दक्षिण एशिया का पहला राज्य बना

तिरुवनंतपुरम। सरकार और सामाजिक भागीदारी से केरल एक बार फिर देश के लिए रोल मॉडल बनने जा रहा है। इस राज्य ने अपने यहां से 'अत्यंत गरीबी' खत्म कर दी है। इसकी आधिकारिक घोषणा एक नवंबर को होगी। इसी के साथ केरल ऐसा करने वाला देश और दक्षिण एशिया का भी पहला राज्य होगा।

मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के मुताबिक संयुक्त राष्ट्र के अनुसार जिनकी आय 158.10 रु. प्रतिदिन से कम है, वो अत्यंत गरीब की कैटेगरी में आते हैं। केरल ने इस मानक से आगे भोजन, आय, स्वास्थ्य और आवास को आधार बनाया और इसे 'मानवीय गरिमा' नाम दिया। इसमें सामाजिक संगठनों की मदद अभूतपूर्व रही। केरल में 73 हजार माइक्रो प्लान बनाए, उन्हें उनकी जरूरत के अनुसार मदद की। इसकी सख्त मॉनिटरिंग की। हर पैसे और मदद का हिसाब लिया गया।

मानवीय गरिमा को गरीबी का आधार बनाया

केरल को अत्यंत गरीबी से बाहर निकालने की शुरुआत 2021 में हुई। राज्य सरकार ने 1300 सर्वेयर की टीम 14 जिलों में उतारीं। जिनके पास भोजन, स्वास्थ्य, आय और आवास नहीं थे, उन्हें चुनने का टास्क दिया गया। वार्डों/डिवीजनों से भागीदारी नामांकन, उप-समितियों द्वारा शॉर्ट लिस्टिंग, एक मोबाइल एप का इस्तेमाल करके साक्षात्कार और ग्राम सभाओं द्वारा अंत तक अंतिम सत्यापन किया गया। टीमों ने ग्राम सभाओं, फोकस ग्रुप डिस्कशन में ऐसे 1,03,099 लोगों को खोज निकाला। 81 प्रतिशत ग्रामीण इलाकों में रहते थे। 68 प्रतिशत अकेले जी रहे थे। 24 प्रतिशत को स्वास्थ्य समस्याएं, 21 प्रतिशत को भोजन और 15 प्रतिशत को घर की कमी थी। सख्त निगरानी के साथ सामाजिक ऑडिट शुरू हुआ। इसके बाद 73 हजार माइक्रो प्लान बनाए।

शुरुआत कोट्टायम जिले के 978 माइक्रो प्लान से की। इससे 4394 परिवारों को आय का साधन, 29427 को दवाएं, 4829 को मेडिकल मदद, 424 को हेल्थकेयर उपकरण, 5354 के घर सुधरवाए, 3913 को घर दिए। 1338 को जमीन। 743 परिवारों को किराए के घरों में शिफ्ट किया।

आप तालिबान को आतंकवादी कहते थे और आज उनका स्वागत कर रहे हैं, लेकिन अपने ही लोगों से ये दुश्मनी क्यों? - महबूबा मुफ्ती

नई दिल्ली। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने अफगानिस्तान के विदेश मंत्री के भारत दौरे को लेकर केंद्र सरकार और भाजपा पर जमकर हमला बोला है. महबूबा मुफ्ती ने कहा कि आप तालिबान का हाथ जोड़कर स्वागत कर रहे हैं, लेकिन पहले आपको यहां के मुसलमानों के साथ अच्छा व्यवहार करना चाहिए. साथ ही उन्होंने केंद्र पर जम्मू-कश्मीर के लोगों की जिंदगी तबाह करने का भी आरोप लगाया.

महबूबा मुफ्ती ने अफगानिस्तान के विदेश मंत्री के भारत दौरे पर कहा, आप तालिबान को आतंकवादी कहते थे और आज उनका स्वागत कर रहे हैं, लेकिन अपने ही लोगों से ये दुश्मनी क्यों उनकी लंबी दाढ़ी और पगड़ी है और आप हाथ जोड़कर उनका स्वागत कर रहे हैं, अगर अफगानिस्तान के साथ अच्छे संबंध रखने से देश को फायदा होता है तो यह ठीक है कि आप तालिबान के साथ बातचीत कर रहे हैं, लेकिन पहले आपको यहां के मुसलमानों के साथ अच्छा व्यवहार करना चाहिए और उनकी

मस्जिदों और स्कूलों को तोड़ना बंद करना चाहिए. आपको पहले उनके दिल जीतने चाहिए. जिस जम्मू-कश्मीर ने पाकिस्तान को नकारकर आपसे हाथ मिलाया था, आज आपने उनकी जिंदगी तबाह कर दी है.

इसके साथ ही उन्होंने एक्स पर अपनी एक पोस्ट में कहा... 'लव जिहाद, 'जमीन जिहाद, 'वोट जिहाद और 'गाय जिहाद के नाम पर भाजपा ने बार-बार अपनी ही मुस्लिम आबादी को निशाना बनाया है और उन्हें बदनाम करने वाले बयान फैलाए हैं. वहीं दूसरी ओर भाजपा के नेतृत्व में लोकतंत्र की जननी भारत ने जिहाद के अग्रदूत तालिबान को अपनाने का फैसला किया है. उन्होंने कहा कि भारत ने अफगानिस्तान के पुनर्निर्माण के लिए हर तरह की सहायता देने का फैसला किया है, जिसमें अफगान छात्रों को शैक्षिक छात्रवृत्ति प्रदान करना भी शामिल है. पीडीपी अध्यक्ष ने आरोप लगाया, ''अफगानिस्तान के साथ अच्छे संबंधों को बढ़ावा देना रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हो सकता है, लेकिन यह एक विरोधाभास को भी जन्म देता है, क्योंकि देश की आजादी, पहचान और प्रगति में योगदान देने वाली भारत की अपनी मुस्लिम आबादी को व्यवस्थित रूप से हाशिये पर डाला जा रहा है. उन्होंने कहा कि भाजपा द्वारा मुस्लिम छात्रों के लिए छात्रवृत्ति वापस लेना और मदरसे बंद करना ''इस आंतरिक पाखंड की याद दिलाता है. पूर्ववर्ती जम्मू कश्मीर राज्य की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय संबंध बनाए रखना जरूरी है, लेकिन एक स्थिर और सामंजस्यपूर्ण राष्ट्र की नींव अपनी सीमाओं के भीतर, खासकर अपने अल्पसंख्यक समुदाय के साथ विश्वास, सम्मान और समानता को बढ़ावा देने में निहित है.

स्वामी/प्रकाशक **वीरेन्द्र सिंह** ने मुद्रक **प्रमोद कुमार, जय माँ गंगा प्रिन्टर्स, राजराणा कॉम्पलैक्स निकट खाद गोदाम, जमालपुर कलां, ज्वालापुर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड)** से मुद्रित कराकर, **मुख्य कार्यालयः 41, शांतिपुरम, जगजीपुर, कनखल, हरिद्वार पिन-249408 (उत्तराखण्ड)** से प्रकाशित किया। **वीरेन्द्र सिंह** (सम्पादक) 9411111733, **सुरेन्द्र पाल सिंह** (ब्यूरो चीफ, उत्तरकाशी) 7376757899 वेबसाई- www.pathpravah.com